mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-144 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
26 मई 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

देश में नौतपा शुरू, गर्मी-हीटवेव बढ़ेगी

महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी 47.2डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म

एमपी-यूपी के 8 शहरों में पारा 45 डिग्री पार एमपी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश में नौतपा की शुरुआत भी हो गई है। इसका मतलब है कि अगले 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी। हीटवेव और तापमान भी बढ़ेगा। तापमान 45डिग्री से ज्यादा बना रह सकता है।

रविवार को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का ब्रह्मपुरी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.2डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.6डिग्री ज्यादा है।

उत्तर प्रदेश में बांदा 46.8डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म जिला रहा। इसके अलावा प्रयागराज और उरई में 45.6 डिग्री, झांसी में 45.6डिग्री, आगरा में 45.4डिग्री और हमीरपुर में 45.2डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ।

MP के दो शहरों, नौगांव और खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान 45.8डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में 29 मई से मौसम बदल सकता है। बारिश की संभावना है।

बिहार के 14 जिलों में आज हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा 13 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में 50किमी. की रफ्तार से हवा चल सकती है। रविवार को बिहार के 9 जिलों का तापमान 40डिग्री के पार पहुंचा। सबसे अधिक तापमान डेहरी (रोहतास) में 44.8डिग्री रहा। मध्य प्रदेश में मौसम विभाग के मुताबिक 25 से 28 मई तक पूरा प्रदेश हीटवेव की चपेट में रहेगा। आज 44 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। 5 जिलों- निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में हीटवेव का रेड अलर्ट है।

10 दिन में चौथी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

दिल्ली में पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (OMCs) ने सोमवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। लंबे अंतराल के बाद हाल में 15 मई को पहली बार तेल की कीमतों में वृद्धि हुई थी। तब से लेकर अब तक पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.82 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। इनकी कीमतों में अभी और वृद्धि हो सकती है।

तेल अधिकारियों का कहना है कि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन के कारण बढ़ी हुई आयात लागत है।

प्रेमानंदजी की अपील- मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा

मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद

मथुरा, एजेंसी। 'बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।' ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो रविवार को केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। 17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं।

टीचर के मकान से निकले 102 ब्रिटिशकालीन सिल्वर कॉइन

दमोह में खुदाई कर रहे मजदूर बोले- बाल्टी भरकर ले गया मालिक, वजन 35 किलो से ज्यादा

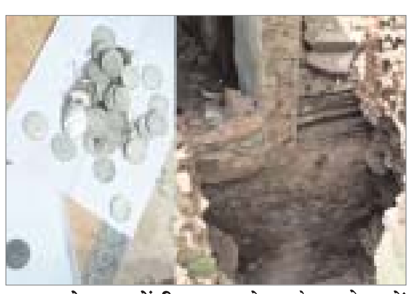

दमोह, एजेंसी। मध्यप्रदेश के दमोह में मकान निर्माण के दौरान खुदाई में ब्रिटिशकालीन चांदी के सिक्के मिलने का मामला सामने आया है। मजदूरों के हिस्सेदारी मांगने पर विवाद बढ़ा तो मामला पुलिस तक पहुंच गया। जांच में पहले 42 और बाद में 60 और सिक्के बरामद हुए।

कुल 102 सिल्वर कॉइन मिलने के बाद पुलिस ने मकान मालिक आलोक सोनी पर दफिना एक्ट और क्राइम की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मजदूरों का दावा है कि मौके से 35 किलो से ज्यादा चांदी के सिक्के और चांदी की रॉड निकली थीं।

मामला शनिवार दोपहर का है। सूचना मिलने के बाद रविवार को कोतवाली टीआई मनीष कुमार, तहसीलदार रोबिन सिंह, नायब तहसीलदार रघुनंदन चतुर्वेदी और पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिस पिलर की खुदाई में सिक्के मिले थे, वहां निरीक्षण किया गया।

पुलिस ने मकान मालिक के पास से पहले 42 और बाद में तलाशी के दौरान 60 और चांदी के सिक्के बरामद किए।

महाराष्ट्र में कार 800 फीट गहरी खाई में गिरी: 8 की मौत

मोबाइल लोकेशन से पता चला; कर्नाटक में 11 लोग नदी में डूबे

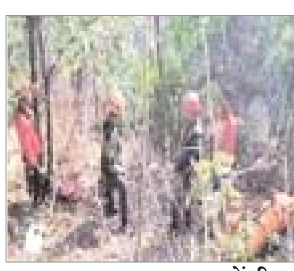

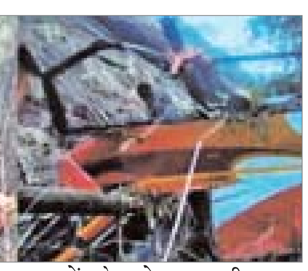

रायगड/भटकल, एजेंसी। देश के दो पड़ोसी राज्यों में रविवार को बड़े हादसे हुए। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके मेंरविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई।घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकारी मिली। इधर, कर्नाटक के भटकल में रविवार दोपहर टट्टीहक्कल नदी में सीप इकट्ठा करते समय डूबने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।कुल 14 लोग थे, जिनमें से 3 का रेस्क्यू किया गया था।

कर्नाटक: एक-दूसरे को बचाने में बह गए 11 लोग

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल में रविवार को एक ही परिवार के 11 लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 9 महिलाएं शामिल हैं। परिवार के 14 लोग तट्टीहक्कल कालिन्द्री स्ट्रीम में सीपियां (क्लैम्स) इकट्ठा करने गए थे। पुलिस के मुताबिक, शरदाहोले गांव का परिवार सीपियां इकट्ठा करने उस जगह गया था, जहां स्ट्रीम अरब सागर से मिलती है।

बेंगलुरु में बुजुर्ग महिला से 24 करोड़ की ठगी

5 महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा; मुंबई समेत 3 जगहों से 5 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु में साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट और मनी लॉन्ड्रिंग केस का डर दिखाकर एक बुजुर्ग महिला से करीब 24 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने मुंबई, प्रयागराज और दिल्ली से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक बैंक खाते से 60 लाख रुपए भी फ्रीज किए गए हैं।

पीड़िता ने हाल ही में अपनी एक बड़ी प्रॉपर्टी बेची थी। ठगों को इसकी जानकारी मिल गई। जनवरी 2026 में ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर महिला को कॉल किया और दावा किया कि उनके बैंक खातों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है।

ठगों ने महिला को डिजिटल अरेस्ट में होने की बात कहकर डराया। कहा कि जांच पूरी होने तक वह परिवार या किसी बाहरी व्यक्ति से संपर्क नहीं करें। इसके बाद जनवरी से मई के बीच महिला से अलग-अलग 22 बैंक खातों में करीब 24 करोड़ रुपए ट्रांसफर करवा लिए।

सोना बेचने गई तो मामले का खुलासा हुआ: ठग करोड़ों रुपए लेने के बाद भी ठग लगातार और पैसे मांगते रहे। जब कैश खत्म हो गया तो महिला 1.30 किलो सोने के गहने गिरवी रखकर फंड जुटाने बैंक पहुंचीं। असामान्य लेन-देन देखकर बैंक अधिकारियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद ठगी का खुलासा हुआ।

फर्जी इंटरव्यू से आंखें स्कैन कर ठग आधार में मोबाइल नंबर बदल रहे: साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका निकाला है। नौकरी के ऑनलाइन इंटरव्यू या ई-केवाईसी के बहाने वे लोगों की आंखों की पुतलियों (आइरिस) और चेहरे का डेटा रिकॉर्ड कर लेते हैं। फिर एआई से ऐसा वीडियो बनाते हैं, जो असली जैसा दिखे।

इसी के जरिए आधार में मोबाइल नंबर बदलवाने की कोशिश की जा रही है। नंबर बदलते ही आधार से जुड़े ओटीपी अपराधियों के पास पहुंचने लगते हैं और बैंकिंग से लेकर डिजिलॉकर तक पर खतरा बढ़ जाता है। कई शिकायतों के बाद साइबर क्राइम ब्रांच ने एडवाइजरी जारी की है।

ममता बनर्जी की करीबी काकोली घोष ने छोड़ा जिला अध्यक्ष का पद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर उथलपुथल थमती नजर नहीं आ रही है। पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने बारासात संगठनात्मक जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इलाके में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ा, लेकिन साथ ही चुनावी रणनीति और नेतृत्व की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए।

इस्तीफा देते समय क्या बोलीं घोष?

चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने राज्य टीएमसी अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे इस्तीफे में कहा कि पार्टी को पुराने तरीके की सड़क की राजनीति में लौटना चाहिए।

उन्होंने इशारों में चुनावी रणनीतिकार संस्था I-PAC (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) और पार्टी में बढ़ते नए राजनीतिक ढांचे पर निशाना साधा।

उन्होंने लिखा कि अगर ईमानदार और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ पहले की तरह काम किया जाए तो पार्टी की छवि फिर मजबूत होगी। मुश्किल काम अस्थायी संगठनों के जरिए नहीं किए जा सकते। राजनीतिक हलकों में इसे I-PAC पर सीधा हमला माना जा रहा है, जिसे टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी रणनीतिक ढांचे से जोड़ा जाता है।

ट्विशा केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा:दोनों पक्ष मीडिया में बयान न दें

राज्य सरकार का आरोप- ट्विशा की सास जांच में अड़चन डाल रहीं

जबलपुर/भोपाल, एजेंसी। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच में सुनवाई हुई। कुछ हरकतों की वजह से हमें थोड़ी तकलीफ हुई है। हम अपने मीडिया के दोस्तों से गुजारिश करेंगे कि वे पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयानों के पीछे न भागें। चीजों को कानून और प्रक्रिया के हिसाब से ही आगे बढ़ने दें।

वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में अड़चन डाल रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में किसने क्या दलीलें दीं: सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, पूर्व जज एक चैनल से दूसरे चैनल जा रही हैं और मृतका की छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं। इस पूरी कहानी का नैतिक सार यही है कि एक मृत बेटी होने के बजाय, एक तलाकशुदा बेटी होना कहीं ज्यादा बेहतर है।

गिरिबाला सिंह की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि FIR दर्ज करवाने में तीन दिन की देरी हुई। सबूतों को सुरक्षित रखने में भी लापरवाही बरती गई। सास तो अपने खुद के कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स ही पेश कर रही हैं।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश

इसमें लिव-इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन का प्रावधान; उत्तराखंड-गुजरात के बाद तीसरा राज्य

गुवाहाटी, एजेंसी। असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) बिल सोमवार को पेश किया गया। इसे पटल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने रखा। इस बिल को दो हफ्ते पहले कैबिनेट से मंजूरी मिली थी।

इस बिल पर 27 मई को चर्चा होगी। यदि यह बिल पारित हो जाता है, तो असम देश का तीसरा ऐसा राज्य बन जाएगा। इससे पहले उत्तराखंड और गुजरात ऐसा कर चुके हैं।

सीएम सरमा के मुताबिक अनुसूचित जनजातियां (पहाड़ी) और अनुसूचित जनजातियां (मैदानी) छठ के दायरे से बाहर रहेंगी। साथ ही 'पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों, प्रथाओं और अनुष्ठानों' को भी इससे छूट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री सरमा ने चुनाव के बाद सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में कहा था, 'यूनिफॉर्म सिविल कोड चार विषयों को कवर करेगा। शादी की न्यूनतम उम्र, बहुविवाह पर रोक, माता-पिता की संपत्ति में बेटियों को समान अधिकार, और लिव-इन संबंधों से जुड़े मामले।'

रिपोर्ट- अमेरिका-ईरान जंग खत्म कर होर्मुज खोलने पर लगभग सहमत

ट्रम्प और खामेनेई की मंजूरी बाकी, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले: कोई जल्दबाजी नहीं करेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान युद्ध को धीरे-धीरे खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नाकाबंदी हटाने को लेकर सैद्धांतिक रूप में एक समझौते पर लगभग सहमत हो गए हैं। एक्सियोस न्यूज को यह जानकारी एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने दी है। हालांकि अभी भी कई संवेदनशील मुद्दों पर अंतिम फैसला बाकी है।ईरान की तरफ से फिलहाल सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा गया है कि समझौता हो गया है। पिछले 24 घंटों में ईरानी अधिकारियों के बयानों में भी कुछ अंतर दिखाई दिया है।

अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक समझौते पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं

और इसे अंतिम मंजूरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलनी बाकी है। इसमें कुछ दिन लग सकते हैं।

अमेरिकी अधिकारी के अनुसार प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा। इसके बदले ईरान अपने एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को खत्म करने पर सहमत होगा। हालांकि यह प्रक्रिया कैसे होगी, इस पर अभी बातचीत जारी है।

ट्रम्प चाहते हैं कि इस संबंधित सामग्री (एनरिच्ड मटेरियल) को अपने कब्जे में ले लें। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने अपने लोगों को समझौते में 'जल्दबाजी न करने' को कहा है।

जिप लाइन झूले से 45 फीट नीचे गिरा बच्चा, मौत

आगरा में बड़ी लापरवाही, सेफ्टी बेल्ट खुली पिता बोले- घुमाने लाया था, लाश कैसे ले जाऊं

आगरा, एजेंसी। आगरा में चूड़ी कारोबारी के 16 साल के बेटे की 45 फीट ऊंची जिप लाइन से गिरकर मौत हो गई। इसका वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा कि नाबालिग जिप लाइन झूले से जैसे ही दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसके सेफ्टी बेल्ट का हुक खुल गया और नीचे गिर गया। उसकी माता-पिता के सामने तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

घटना शहर के ताजगंज में रविवार को हुई। कुनाल अग्रवाल माता-पिता के साथ फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था।

25 साल पुरानी पानी की लाइनों में जंग

दूषित पानी के खतरे को देखते हुए नगर निगम ने जारी की एडवाइजरी

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर पालम विहार, सेक्टर-23 और सेक्टर-23ए में लगभग 25 साल पुरानी पेयजल आपूर्ति लाइनों में जंग लगने की आशंका है। यह लाइनें लोगों ने मुख्य लाइनों में सेक्टर बसने के समय मुख्य लाइनों में जोड़ी थी और इतने समय के बाद भी बदला नहीं गया है।

नगर निगम गुरुग्राम ने इन क्षेत्रों के निवासियों को एडवाइजरी जारी करते हुए अपील की है कि वे अपने घरों में लगे पुराने और क्षतिग्रस्त पेयजल कनेक्शनों की जांच कराएं और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें नई स्वीकृत पाइपलाइन से बदलें, ताकि दूषित पानी की आशंका को रोका जा सके। इसके अलावा नगर निगम की भी करीब 1200 किलोमीटर लंबी लाइन भी लगभग 25 साल पुरानी है, जिनको नगर निगम ने बदलना शुरू कर दिया है। निगम अधिकारियों के अनुसार कई घरों में आज भी 20 से 25 साल पुराने जीआइ पाइप कनेक्शन उपयोग में हैं। समय के साथ इन पाइपों में जंग लगने और अंदर से गलने की संभावना बढ़ जाती है। यदि कहीं छोटा भी लीकेज हो जाए तो आसपास की गंदगी या सीवर का पानी लाइन में प्रवेश कर सकता है। जनवरी में इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद गुरुग्राम में भी सतर्कता बढ़ाई गई है।

घरों तक जाने वाली पुरानी लाइनें बन रहीं जोखिम: नगर निगम का कहना है कि मुख्य पेयजल लाइन से घरों तक जो निजी कनेक्शन लिए गए हैं, उनकी देखरेख की जिम्मेदारी उपभोक्ताओं की भी होती है। कई मकानों में शुरुआती समय में डाली गई जीआई पाइपलाइन अब काफी पुरानी हो चुकी है। पालम विहार और सेक्टर-23 जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में ऐसे कनेक्शन मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार यदि घरेलू लाइनें क्षतिग्रस्त हों तो पानी का दबाव कम होने के दौरान बाहरी गंदगी अंदर खिंच सकती है। इसी कारण लोगों को समय रहते पाइपलाइन बदलने और अधिकृत सामग्री का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

गर्मियों में बढ़ी पानी की मांग: शहर में इस समय भीषण गर्मी के कारण पानी की मांग बढ़ी हुई है।

गुरुग्राम में नहरी स्रोतों और बोरवेल के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। निगम का कहना है कि मौजूदा आपूर्ति पर्याप्त है, लेकिन पुरानी लाइनें भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम पैदा कर सकती हैं। पुराने गुरुग्राम के कई इलाकों में समय-समय पर दूषित पानी की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि घरेलू स्तर पर पाइपलाइन बदलने से काफी हद तक समस्या कम की जा सकती है। सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर प्रदीप कुमार के अनुसार पुरानी जीआई पाइपलाइनें समय के साथ अंदर से जंग खाकर कमजोर हो जाती हैं। यदि इनकी समय पर जांच और बदलाव नहीं किया गया तो संक्रमण और दूषित जलापूर्ति का खतरा बढ़ सकता है। 3 इलाके पालम विहार, सेक्टर-23 और सेक्टर-23ए पर नजर 20-25 साल घरेलू जीआइ कनेक्शनों की अनुमानित उम्र 670 एमएलडी नहरी स्रोतों से जलापूर्ति 100 एमएलडी बोरवेल से जलापूर्ति 680 एमएलडी इन दिनों पानी की मांग 2500 किलोमीटर शहर का कुल पेयजल नेटवर्क 1200 किलोमीटर 20-25 साल पुरानी निगम पेयजल लाइनें।

थायराइड-एंग्जायटी के लक्षणों को हल्के में नहीं लें

कैंसर जैसी बीमारी के हो सकते हैं संकेत; विशेषज्ञों ने चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। थायराइड और एंग्जायटी के लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। इन्हें लेकर कई बार मरीज भ्रमित हो जाते हैं। ये लक्षण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के संकेत भी हो सकते हैं। इसलिए बिना समझे खुद इलाज शुरू कर देना खतरनाक साबित हो सकता है। एम्स के प्रो. आर गोस्वामी के अनुसार, एंग्जायटी और तनाव के लक्षण कई बार शरीर के हार्मोनल असंतुलन से जुड़े हो सकते हैं। इसलिए केवल मानसिक कारण मानकर इलाज शुरू करना सही नहीं होता है। इस मामले में स्वयं से उपचार करना या बिना डॉक्टर की सलाह लिए मेडिकल स्टोर से दवा लेना खतरनाक हो सकता है। प्रो. गोस्वामी ने सलाह दी कि ऐसे मामलों में थायराइड विशेषज्ञ से अनिवार्य रूप से सलाह लेनी चाहिए। वह थायराइड फंक्शन टेस्ट, अल्ट्रासाउंड और जरूरत पड़ने पर बायोप्सी आदि में से जो भी जांच जरूरी होगी, उसकी सलाह देगा। उन्होंने कहा कि अगर गले में सूजन, आवाज में बदलाव, निगलने में कठिनाई या लगातार थकान जैसे लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो तुरंत जांच करानी चाहिए। अपोलो एथेना विमेंस कैंसर सेंटर लीड, हेड एंड नेक आंकोलाजी डॉ. अनिल डी क्रूज ने बताया कि थायराइड में हर बदलाव कैंसर नहीं होता, लेकिन कुछ मामलों में थायराइड ग्रंथि में गांठ (नोड्यूल) या असामान्य वृद्धि थायराइड कैंसर का संकेत कर सकती है।

शुरुआती पहचान से कम होगा खतरा: उन्होंने कहा कि लंबे समय तक बने रहने वाले लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर उनकी जांच बेहद आवश्यक है। शुरुआती पहचान से गंभीर बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि थायराइड और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लक्षणों को समग्रता में देखना चाहिए। गले में सूजन या गांठ महसूस होना बिना वजह वजन घटना या बढ़ना लगातार घबराहट, बेचैनी या एंग्जायटी आवाज बैठना या बोलने में बदलाव निगलने में परेशानी और लगातार थकान।

फरीदाबाद टाउन पार्क में लगेंगे तीन म्यूजिकल फाउंटेन, बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

फरीदाबाद, एजेंसी। एनआइटी के लेजर वैली पार्क के बाद शहर के टाउन पार्क में तीन म्यूजिकल फाउंटेन बनाने की तैयारी है। यहां पहले से बने फाउंटेन तोड़कर नए सिरे से बनाए जाएंगे।साथ ही सिंथेटिक जागिंग ट्रैक भी बनेगा। पार्क की कई जगह चहारदीवारी भी की जाएगी। ओपन एयर थिएटर का सुंदरीकरण होगा। इन सभी काम का कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने शिलान्यास किया है। सभी काम साढ़े आठ करोड़ की लागत से होंगे। मंत्री ने बताया कि पार्क में जहां 700 मीटर कच्चा ट्रैक था, वहां सिंथेटिक ट्रैक बनाया जाएगा। कई जगह कंक्रीट पाथ टूट गया था, उसकी मरम्मत होगी। मुख्य प्रवेश द्वार का नवीनीकरण किया जाएगा। इन कार्यों से पार्क की सुंदरता, सुरक्षा और उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा नागरिकों को आधुनिक और बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस दौरान लोगों से मंत्री ने कहा कि टाउन पार्क आने वाले समय में स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिक गतिविधियों और सांस्कृतिक आयोजन का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां सुबह की सैर करने वाले नागरिकों, व्यायाम करने वाले युवाओं, बच्चों के साथ समय बिताने वाले परिवारों, महिलाओं तथा वरिष्ठजनों सभी को एक बेहतर और सकारात्मक वातावरण मिलेगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि पार्क और हरियाली केवल सुंदरीकरण बढ़ाने के लिए नहीं होते, बल्कि ये स्वस्थ समाज और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। मंत्री ने अपील करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों और अन्य जीवों के लिए घरों, छतों, बालकनी एवं आसपास पानी की व्यवस्था अवश्य करें। इस दौरान पार्षद सचिन शर्मा, कुलदीप शाहनी, करण सिंगला, अजीत नंबरदार, प्रियंका बिष्ट बुधानी, वजीर सिंह डागर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्या ईरान के साथ समझौता करने को छटपटा रहा यूएस रूबियो बोले– होर्मुज खुले तो परमाणु वार्ता पर चर्चा को तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल देता है, तो अमेरिका उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर बहुत गंभीर बातचीत के लिए तैयार है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूबियो के बयान से संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ सकता है और ऐसे अंतरिम समझौते को स्वीकार कर सकता है, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तत्काल फैसला न हो। नई दिल्ली यात्रा के दौरान रूबियो ने अखबार से बातचीत में कहा, 'आप 72 घंटे में किसी कागज के पीछे बैठकर परमाणु समझौता नहीं कर सकते। सबसे पहले जलडमरूमध्य को तुरंत खोला जाना चाहिए। इसके बाद तय मानकों के तहत हम संवर्धन, उच्च संवर्धित यूरेनियम और ईरान की इस प्रतिबद्धता पर गंभीर बातचीत करेंगे कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। '

रूबियो ने दी ईरान को हमले की धमकी: मार्को रूबियो ने कहा, 'इस प्रक्रिया में वर्षों नहीं लग सकते, लेकिन तकनीकी मुद्दों को सुलझाने में कुछ समय जरूर लगेगा।' रूबियो ने संकेत दिया कि अगर दो महीने के भीतर बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलता है, तो अमेरिका फिर से ईरान के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दे सकता है। उन्होंने कहा, 'आखिरकार दृष्टिकोण को वह नतीजा देना होगा जो हम चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो 60 दिनों बाद भी राष्ट्रपति के पास वही सभी विकल्प होंगे, जो अभी मौजूद हैं। ' अमेरिका और ईरान के बीच एक संभावित समझौता होने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों की ओर से अब तक इस संभावित समझौते का कोई सार्वजनिक विवरण जारी नहीं किया है। कई आलोचकों का कहना है कि चरणबद्ध समझौते से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगे की बातचीत में पकड़ कमजोर हो सकती है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सहमत नहीं अमेरिका: रूबियो ने दोहराया कि ट्रंप का रुख साफ है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'ईरान के मुद्दे पर आज बाद में कुछ और खबरें आ सकती हैं। इस पर आगे की घोषणा राष्ट्रपति करेंगे। इतना जरूर है कि कुछ महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, हालांकि अंतिम प्रगति अभी नहीं हुई है।' उन्होंने कहा, 'अंतिम लक्ष्य यही है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। राष्ट्रपति इस पर पूरी तरह स्पष्ट हैं। जब तक डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, तब तक ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा।' रूबियो ने कहा कि अमेरिका और खाड़ी क्षेत्र के उसके साझेदार ऐसे ढांचे पर काम कर रहे हैं ।

दिल्ली-यूपी में हीटवेव तो केरल-तमिलनाडु में आंधी-बारिश का अलर्ट

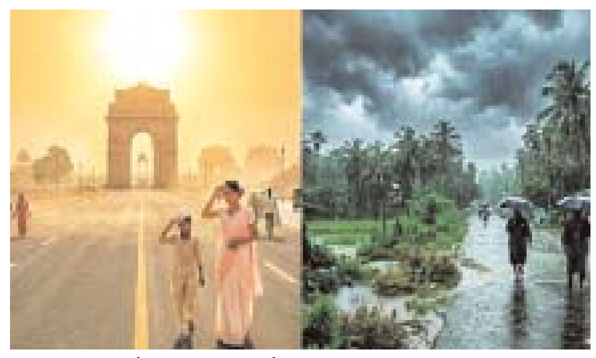

चेन्नई, एजेंसी। देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी और लू से बेहाल हैं। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व बिहार समेत कई राज्यों में गर्मी से हाल बेहाल है। उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में जारी हीटवेव के बीच मानसून को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग ने केरल, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और पूर्वोत्तर भारत में मानसून पूर्व की गतिविधियों के कारण अगले 4-5 दिनों तक मूसलाधार बारिश, बिजली कड़कने और 70 किमी/घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। देश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि और धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है। केरल और लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उत्तर-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में अगले 4-5 दिनों तक कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 7 दिनों तक और पूर्वी और तटीय प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3-5 दिनों तक उष्ण लहर से भीषण उष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है

भारी बारिश की आशंका: अगले 4-5 दिनों तक केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उत्तर- पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है।

पूर्वोत्तर भारत: आज यानी, 25 मई को असम और मेघालय तथा 24 मई को नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे तक की गति) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 25 और 26 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत: 25 से 28 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस समय 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, आंतरिक कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और यनम में 25 से 27 मई के दौरान तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत: 27-29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 26-28 मई के दौरान बिहार में, और 25 मई को झारखंड और ओडिशा में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

पुणे की स्कूल प्रिंसिपल ने नीट परीक्षा के फिजिक्स प्रश्न पैसों के लिए बांटे, सीबीआई का खुलासा

पुणे, एजेंसी। सीबीआइ ने अदालत को बताया कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार पुणे के एक स्कूल की प्रिंसिपल मनीषा संजय हवलदार ने पैसों के लिए कुछ छात्रों के साथ परीक्षा से संबंधित फिजिक्स के प्रश्न और सामग्री साझा की। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को हवलदार को गिरफ्तार किया था और उसे पेपर लीक मामले का एक और स्रोत बताया। पुणे के सेठ हीरालाल सर्राफ प्रशाला (स्कूल) की प्रिंसिपल हवलदार नीट यूजी-2026 के लिए फिजिक्स प्रश्नपत्र के उस पैनल की सदस्य थी जिसने पेपर का मराठी में अनुवाद किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे पुणे की अदालत में पेश किया गया और वर्तमान में वह ट्रांजिट रिमांड पर है। उसे सोमवार को दिल्ली की अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। सीबीआइ ने पुणे की अदालत को बताया कि उसकी जांच में यह सामने आया है कि हवलदार ने बाटनी की शिक्षिका मनीषा मंढारे के साथ मिलकर कुछ छात्रों को पैसे के बदले नीट से संबंधित प्रश्न साझा किए। सूत्रों के अनुसार, हवलदार ने प्रश्नपत्र से संबंधित हाथ से लिखे नोट्स तैयार किए थे और इन्हें छात्रों को भेजा।

चीन में डिजिटल जाल से नहीं बच पाएंगे विदेशी नागरिक 70 करोड़ कैमरों में कैद होगी हर गतिविधि

बीजिंग, एजेंसी। चीन में विदेशी नागरिकों की निगरानी को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने ऐसा विशाल डिजिटल निगरानी नेटवर्क तैयार किया है, जो देश में मौजूद विदेशी नागरिकों की हर गतिविधि पर नजर रख रहा है। इस सिस्टम के जरिए लोगों की लोकेशन, आवाजाही, मोबाइल डाटा, सामाजिक संबंध और रोजमर्रा की गतिविधियों को ट्रैक किया जा रहा है। बताया गया है कि चीन में 70 करोड़ से ज्यादा निगरानी कैमरे लगे हुए हैं और हर दो लोगों पर एक मॉनिटरिंग डिवाइस मौजूद है। इस खुलासे के बाद दुनिया में चीन की निगरानी व्यवस्था और प्रेस स्वतंत्रता को लेकर फिर बहस तेज हो गई है।

क्या है चीन का डायनमिक कंट्रोल प्लेटफॉर्म: रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने डायनमिक कंट्रोल प्लेटफॉर्म फॉर ओवरसीज पर्सनल नाम का एक बड़ा निगरानी सिस्टम तैयार किया है। यह सिस्टम सुरक्षा कैमरों, फेस रिकग्निशन तकनीक, वीजा रिकॉर्ड और मोबाइल डाटा को एक साथ जोड़कर विदेशी नागरिकों की गतिविधियों को ट्रैक करता है। दावा किया गया है कि इस प्लेटफॉर्म में लोगों के पासपोर्ट नंबर, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, नौकरी की जानकारी, चीनी मोबाइल नंबर और दूसरी निजी जानकारियां दर्ज रहती हैं। इतना ही नहीं, सिस्टम यह भी रिकॉर्ड करता है कि कौन किससे मिलता है, कौन किस इलाके में रहता है और किन लोगों के बीच संपर्क है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी पत्रकारों और 'संवेदनशील' माने जाने वाले लोगों को विशेष निगरानी सूची में रखा जाता है।

किन देशों के नागरिकों पर ज्यादा नजर रखी जा रही है: रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन खास तौर पर 'फाइव आइज' देशों के नागरिकों पर ज्यादा नजर रख रहा है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका शामिल हैं। दावा किया गया है कि सिस्टम इन देशों के नागरिकों की मौजूदगी को शहरों से लेकर मोहल्लों और ब्लॉक स्तर तक ट्रैक करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि चीन के निगरानी नेटवर्क के कारण विदेशी दौरों और पत्रकारों की गतिविधियों पर पहले से ज्यादा नियंत्रण बढ़ गया है। कई विदेशी पत्रकारों को चीन में वीजा देने से भी इनकार किया गया। इनमें ट्रंप के दौरे को कवर करने वाले कुछ अमेरिकी पत्रकार भी शामिल बताए गए हैं।

कैसे सामने आई निगरानी नेटवर्क की तस्वीर: रिपोर्ट में ब्रिटेन की पत्रकार सोफिया यान का भी जिक्र किया गया है। उन्होंने दावा किया कि वह इस डाटाबेस में अपनी निजी प्रोफाइल तक ढूंढने में सफल रहीं। उनके मुताबिक सिस्टम यह दिखा सकता है कि कौन किसका दोस्त, सहकर्मी या क्लासमेट है।

नेपाल के आरएसपी प्रमुख रवि लामिछाने जल्द कर सकते हैं भारत का दौरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रमुख रवि लामिछाने जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। पार्टी के प्रवक्ता ने रविवार को इस संभावित यात्रा की जानकारी दी। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार, लामिछाने की भारत यात्रा की तारीख और अन्य विवरण अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अंतिम पुष्टि सोमवार तक की जा सकती है। हालांकि, नेपाल के कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह दौरा 1 जून के आसपास हो सकता है। इस संभावित यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि आरएसपी के सत्ता में आने के बाद यह भारत-नेपाल के बीच पहला उच्च स्तरीय राजनीतिक संपर्क हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, भारत दौरे के दौरान रवि लामिछाने नई दिल्ली में उच्च अधिकारियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं। बता दें कि रवि लामिछाने नेपाल के पूर्व गृह मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में देश की प्रतिनिधि सभा के सदस्य भी हैं। उनकी यह संभावित यात्रा दोनों देशों के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक रिश्तों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रत्यक्ष चुनाव की 165 में से 164 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें आरएसपी ने 125 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल की है। समानुपातिक प्रणाली के तहत मिलने वाली सीटों के बाद पार्टी की कुल संख्या 183 तक पहुंच जाएगी। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के बराबर है।

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है।

पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

क्यों खतरनाक है यह केमिकल: यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है।

सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

टैंक में क्या खराबी आई है: इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

अगर धमाका हुआ तो क्या होगा: अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा। कंपनी और प्रशासन मिलकर इस खतरे को टालने में जुटे हैं।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, जनहित के मामलों में तत्परता से कार्यवाही पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में तत्परता गुणवत्ता और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए बैठक में राजस्व प्रकरणों के निराकरण पेयजल आपूर्ति आपदा प्रबंधन सीएम हेल्पलाइन स्वरोजगार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भू-अर्जन से संबंधित सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे मामलों में निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए तथा निराकृत प्रकरणों का रिकॉर्ड में त्वरित अमल कराया जाए। साथ ही राजस्व वसूली में प्रगति लाने और लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए शहरी क्षेत्रों में अनियोजित विकास को रोकने के लिए अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए बाढ़ आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया। संबंधित विभागों को राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी बसाहटों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि जहां भी पेयजल संकट की स्थिति हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही लू से बचाव के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार तथा उपचार की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए बैठक में राहत प्रकरणों में तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता मिल सके। युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखंड में खेल मैदान हेतु उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन करने को कहा गया शिक्षा के क्षेत्र में कलेक्टर ने विशेष संवेदनशीलता दिखाते हुए विद्यालय एवं महाविद्यालय जाने वाली दिव्यांग बालिकाओं के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हांकन करने के निर्देश दिए साथ ही विद्यालयों में शौचालयों को क्रियाशील रखने पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं को सक्रिय रूप से संचालित करने पर जोर दिया सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध प्रभावी कदम उठाने के लिए नशे के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में विभागों को निर्देशित किया गया कि स्वरोजगार योजनाओं के 30 प्रतिशत लक्ष्य को जून माह के भीतर हर हाल में प्राप्त किया जाए बैठक के दौरान कलेक्टर ने कलेक्टर समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत 5 शिकायतकर्ताओं से सीधे चर्चा कर उनके प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता आमजन को त्वरित राहत और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है इसलिए सभी अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला, गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आरपी त्रिपाठी, कुसमी शैलेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर नदी तट पर हुआ श्रमदान, जल संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर विकासखंड सीधी के ग्राम बढ़ौरा में नदी तट पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी एवं जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर कृष्णकांत द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जल बचाव के उपायों की जानकारी दी उन्होंने ग्रामवासियों से जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच, सचिव, विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक, नवांकुर, मेंटर, प्रस्फुटन के सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए कार्यक्रम के दौरान नदी तट की साफ-सफाई एवं श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के लिए दो महिलाओं को मिला 'स्टार ऑफद मंथ' सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन सीधी द्वारा समाज सेवा, जनकल्याण एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्टार ऑफ द मंथ सम्मान के तहत इस माह दो प्रेरणादायी महिलाओं को सम्मानित किया गया। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गौसेवा एवं जैविक खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली क्र देवकन्या कोरी एवं क्र आरती सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। क्र देवकन्या कोरी, जो ग्राम पंचायत लकोडा की गौशाला में गौ-सेवक के रूप में कार्यरत हैं, ने गौमाता की सेवा, संरक्षण एवं देखभाल के क्षेत्र में निष्ठा, समर्पण और उत्कृष्ट सेवा भावना का परिचय दिया है। उनके द्वारा किए जा रहे कार्य न केवल पशु संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय हैं बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता का प्रेरक संदेश भी देते हैं। जिला प्रशासन ने उनकी कर्तव्यनिष्ठा, मेहनत एवं सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें स्टार ऑफ द मंथ सम्मान से सम्मानित किया इसी प्रकार आरती सिंह, आईएफसी सीआरपी, अनीता स्व-सहायता समूह, टीकट कला द्वारा जैविक खेती एवं बीआरसी संचालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। उन्होंने महिला किसानों एवं अन्य कृषकों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया है।

उनके प्रयासों से किसानों में जैविक कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ी है और टिकाऊ कृषि प्रणाली को प्रोत्साहन मिला है जिला प्रशासन ने उनके समर्पण, कार्यनिष्ठा एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि स्टार ऑफ द मंथ सम्मान का उद्देश्य ऐसे कर्मठ और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को पहचान देना है जो अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। सम्मानित महिलाओं की उपलब्धियां अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

अब 29 मई को आयोजित होगा संयुक्त रोजगार मेला, 200.पदों पर भर्ती का अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर अब 29 मई 2026 को मिलेगा राज्य शासन की मंशानुसार ष्युवा संगमष् कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने हेतु शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में संयुक्त रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी, ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी तथा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में यह एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने बताया कि रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार एवं स्टार्टअप शुरू करने संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। देश एवं प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियाँ 200 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती के लिए शामिल होंगी रोजगार मेले में मशीन ऑपरेटर, लेखापाल, टीम लीडर, एचआर, सेल्स, बीपीओ, टेक्नीशियन (फिट्टर/इलेक्ट्रीशियन/टर्नर/कोपा) पैकर/लोडर और मार्केटिंग सहित विभिन्न पदों पर आकर्षक वेतनमान के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे कंपनियों के एचआर प्रतिनिधि मौके पर साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन करेंगे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए युवतियों को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी ने जानकारी दी है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही जिले की युवतियों एवं बालिकाओं के लिए महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन किया जाएगा। इस पहल के तहत लिखित परीक्षा की तैयारी के साथ पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना का उपयोग करते हुए कमांडेंट होमगार्ड द्वारा शारीरिक प्रवीणता का नि:शुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा योजना के अंतर्गत प्रथम बैच में 45 से 50 बालिकाओं/युवतियों का चयन किया जाएगा इसके लिए आवेदक का 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा न्यूनतम लंबाई 155 सेंटीमीटर या उससे अधिक निर्धारित की गई है। अनारक्षित वर्ग की युवतियों के लिए आयु सीमा 18 से 30 वर्ष तथा आरक्षित वर्ग के लिए 18 से 35 वर्ष निर्धारित है इच्छुक बालिकाएं एवं युवतियां 1 जून 2026 से 8 जून 2026 तक कार्यालयीन कार्य दिवसों में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सीधी से आवेदन प्रारूप प्राप्त कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकती हैं यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो 50 प्रश्नों की विविध विषयों पर आधारित स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जाएगी।

कटे-फटे होंठ एवं तालु के मरीजों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 28 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जन्मजात विकृति से ग्रसित कटे-फटे होंठ एवं तालु के मरीजों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह शिविर स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 28 मई 2026 (बुधवार) को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक परवरिश केंद्र, जिला चिकित्सालय सीधी में आयोजित होगा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं सर्जरी के लिए चिन्हांकन किया जाएगा। चयनित मरीजों को उपचार की समस्त सुविधाएं पूर्णतः नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जिले के नागरिकों से अपील की है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लापरवाही पर तीन पंचायत सचिवों पर अर्थदंड, हितग्राहियों को मिलेगा प्रतिकर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 के तहत सेवाओं के समयबद्ध प्रदाय में लापरवाही बरतने पर जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं द्वितीय अपील प्राधिकारी द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए तीन पंचायत सचिवों पर 500-500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है साथ ही संबंधित हितग्राहियों को 500-500 रुपये प्रतिकर दिए जाने के आदेश भी जारी किए गए हैं जारी आदेश के अनुसार, लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से विभागीय पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण किया जाना अनिवार्य है। इसके बावजूद योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की अधिसूचित सेवाओं जन्म/विवाह पंजीयन (अप्राप्यता प्रमाण पत्र) से संबंधित आवेदन समय-सीमा के बाद भी लंबित पाए गए, जिससे हितग्राहियों को समय पर सेवा का लाभ नहीं मिल सका इसे लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया प्रकरण में रामनरेश साकेत, सचिव ग्राम पंचायत वस्तुआ (जनपद पंचायत कुसमी), श्याम सरोज सिंह, सचिव ग्राम पंचायत कोटदरखुर्द (जनपद पंचायत सीधी) एवं मनोज कुमार सिंह, सचिव ग्राम पंचायत मेडरा (जनपद पंचायत मझौली) द्वारा सेवा प्रदाय में लापरवाही पाए जाने पर अधिनियम की धारा 7(1)(क) के तहत 500-500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। साथ ही संबंधित हितग्राहियों को 500-500 रुपये प्रतिकर प्रदान किए जाने के आदेश भी जारी किए गए हैं अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अर्थदंड की राशि निर्धारित शासकीय मद में जमा कर चालान की प्रति तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करें साथ ही स्पष्ट किया गया है कि अधिरोपित राशि जमा होने तक संबंधित सचिवों का वेतन भुगतान प्रतिबंधित रहेगा। यदि राशि समय पर जमा नहीं की जाती है तो संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी भी उत्तरदायी होंगे।

समर कैंप से छात्र-छात्राओं को शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास में मिलेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, जीवन कौशल संवर्धन एवं शैक्षणिक प्रगति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुसमी विकासखंड के गोतरा में ग्रीष्मावकाश के दौरान विशेष शिक्षण समर कैंप का शुभारंभ किया गया। शासकीय हाईस्कूल गोतरा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद प्रतिनिधि राजकुमार तिवारी, विधायक प्रतिनिधि इंद्र प्रकाश गुप्ता एवं बीआरसीसी कुसमी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी की उपस्थिति में हुआ।

यह समर कैंप 25 मई से संचालित किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों के लिए शिक्षा, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कैंप का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक सोच का विकास करना है, ताकि वे शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें समर कैंप में छात्र-छात्राओं को ड्राइंग, पेंटिंग, लोकगीत, कविता वाचन, स्वतंत्र लेखन, स्वतंत्र वाचन, खेल गतिविधियां, स्वास्थ्य जागरूकता एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक तरीके से प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जा रहा है।

इस पहल से बच्चों को अवकाश के समय का सकारात्मक उपयोग करने, नई क्षमताएं विकसित करने और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। समर कैंप विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है इस अवसर पर शासकीय हाईस्कूल गोतरा के प्राचार्य कमलनारायण मिश्र, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

44 डिग्री गर्मी में ट्रांसफार्मर ओवरहीट,फायर ब्रिगेड ने ठंडा किया, 25 गांवों की बिजली गुल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में अत्यधिक गर्मी के कारण एक बिजली ट्रांसफार्मर ओवरहीट हो गया। रामपुर नैकिन बिजली सब स्टेशन पर हुई इस घटना के बाद फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा और लगभग 25 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रही सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे नौतपा के पहले ही दिन मुख्य ट्रांसफार्मर का तापमान अचानक बहुत बढ़ गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और लगभग आधे घंटे तक पानी की बौछार कर ट्रांसफार्मर को ठंडा किया इस घटना के कारण एहतियातन पूरे सब स्टेशन की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई इससे आसपास के लगभग 25 गांवों में एक घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रही। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कई इलाकों में पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई।

हादसे से बचाने सप्लाई तुरंत बंद की: सब स्टेशन के ऑपरेटर जयपाल पटेल ने बताया कि अत्यधिक तापमान के कारण ट्रांसफार्मर ओवरहीट हो गया था किसी भी बड़े हादसे से बचने के लिए तुरंत बिजली आपूर्ति रोकी गई और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई टीम ने सफलतापूर्वक ट्रांसफार्मर का तापमान कम किया जिसके बाद धीरे-धीरे बिजली बहाल की गई सोमवार को सीधी जिले का तापमान लगभग 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नौतपा की शुरुआत के साथ ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है इस घटना ने बिजली व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं स्थानीय लोगों ने चिंता व्यक्त की है कि यदि तापमान और बढ़ता है तो जिले में बिजली संकट गहरा सकता है हालांकि समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया और कोई बड़ा हादसा टल गया।

पत्थर खदान पर प्रशासन का छापा: अवैध ब्लास्टिंग का खुलासा सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर 'बिहारी बाबू' की उत्खनन बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र की जेठूला के ग्राम दुअरा स्थित पत्थर खदान में प्रशासन ने छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान खदान में अवैध ब्लास्टिंग और सुरक्षा मानकों में गंभीर लापरवाही का खुलासा हुआ। संयुक्त जांच में अनियमितताएं पाए जाने के बाद खदान में चल रहे पत्थर उत्खनन कार्य को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है खनिज अधिकारी कपिलमुनी शुक्ला ने सोमवार सुबह 10 बजे बताया कि प्रशासन को पट्टेदार सुरेश तिवारी द्वारा संचालित इस खदान में विस्फोटक सामग्री से ब्लास्टिंग किए जाने की शिकायत मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसडीएम सिहावल राजेश शुक्ला के निर्देश पर खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी।

खदान में सीमा चिन्ह, फेसिंग मौजूद नहीं: इस कार्रवाई में खनिज अधिकारी कपिलमुनी शुक्ला, तहसीलदार बहरी और थाना प्रभारी राजेश पांडे अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। जांच के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा था। खदान में न तो नियमानुसार सीमा चिन्ह लगाए गए थे और न ही फेसिंग और अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं मौजूद थीं, जिसे प्रशासनिक टीम ने गंभीर लापरवाही माना।

विस्फोटक सामग्री के उपयोग में गड़बड़ी: जांच टीम को मौके पर विस्फोटक कार्य में प्रयुक्त वाहन क्रमांक MP17 त 3415 भी मिला वाहन के पास अजय सिंह और ईश्वर सिंह राजपूत मौजूद थे जब अधिकारियों ने उनसे विस्फोटक सामग्री के परिवहन और उपयोग से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे, तो वे तत्काल कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके पूछताछ में उन्होंने बताया कि दस्तावेज उनके मालिक के पास हैं इसी बीच, अजय सिंह ने व्हाट्सएप के माध्यम से RE-13 प्रपत्र दिखाया। हालांकि, जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ। इस दस्तावेज में विस्फोटक सामग्री के उपयोग का स्थान बहरी तहसील गोपद बनास अंकित था, जबकि सामग्री ग्राम दुअरा क्षेत्र में पाई गई इसे विस्फोटक सामग्री के परिवहन और उपयोग में प्रथम दृष्टया एक गंभीर अनियमितता माना गया है।

समुदाय आधारित प्रशिक्षणों के लिए आजीविका मिशन के आईएसओ प्रमाणित प्रशिक्षण केंद्रों का उपयोग करें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मिशन संचालक, जिला पंचायत सीधी ने जानकारी दी है कि आजीविका मिशन, जिला सीधी के अंतर्गत महिला आधारित परिसंघों द्वारा संचालित आईएसओ प्रमाणित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र समुदाय आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उपलब्ध हैं। ये प्रशिक्षण केंद्र आवासीय प्रशिक्षण की सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जहां एक बार में 30 से 35 महिला प्रतिभागियों के लिए आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा सकता है प्रशिक्षण केंद्रों में निर्धारित दरों के अनुसार प्रशिक्षण आयोजित किए जा सकते हैं। आवासीय प्रशिक्षण के लिए 534 रुपये प्रति प्रतिभागी प्रतिदिन तथा गैर-आवासीय प्रशिक्षण के लिए 294 रुपये प्रति प्रतिभागी प्रतिदिन की दर निर्धारित की गई है मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि उनके विभागों के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले समुदाय आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित इन प्रशिक्षण केंद्रों में प्राथमिकता से किया जाए, जिससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके तथा महिला आधारित संस्थाओं को भी सशक्त बनाया जा सके अधिक जानकारी हेतु जिला इकाई सीधी में सहायक जिला प्रबंधक (सामुदायिक प्रशिक्षण) प्रशांत कुमार मिश्रा से मोबाइल नंबर 8827307813 पर तथा एकता सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र, सीधी के लिए प्रभारी विकासखंड प्रबंधक अशोक पाण्डेय से मोबाइल नंबर 9826454486 पर संपर्क किया जा सकता है।

आरक्षण पर 'सुप्रीम' सवाल

संपादकीय

सर्वोच्च अदालत की एक न्यायिक पीठ ने ओबीसी के उन बच्चों को लगातार आरक्षण देने पर सवाल उठाया है, जिनके परिवार शैक्षिक और आर्थिक रूप से उन्नत, समृद्ध हो चुके हैं। जिनके माता-पिता दोनों ही आईएएस अधिकारी हैं अथवा सरकार में उच्च पदों पर हैं या उनकी संयुक्त आय 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) की अधिकृत, अधिकतम सीमा से अधिक है। अर्थात जिन माता-पिता की साझा सालाना आय 8 लाख रुपए से अधिक है, उनके बच्चों को आरक्षण क्यों दिया जाना चाहिए? न्यायिक पीठ ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है-शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। यदि आरक्षण हमेशा जारी रहा, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। दरअसल आरक्षण आज अपने सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक मायने खो चुका है और इसे 'राजनीतिक हथियार' बना दिया गया है। संविधान तय करने वाले हमारे पुरखों ने अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए 10 साल के आरक्षण की व्यवस्था की थी, लेकिन वीपी सिंह के प्रधानमंत्री काल के दौरान आरक्षण के दायरे में ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) को भी लाया गया। उसके बाद करीब 50 फीसदी आरक्षण आज भी जारी है। कुछ राज्यों ने आरक्षण की अधिकतम सीमा पार करने और मुसलमानों को भी आरक्षण देने का जुगाड़ कर लिया है। वे सर्वोच्च अदालत के फैसले का भी उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान लागू हुए भी 76 साल से अधिक वक्त बीत चुका है। आज शीर्ष अदालत को फिर सवाल उठाना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने जो सवाल उठाया है, उसे देश की राजनीतिक व्यवस्था नजरअंदाज कर देगी, क्योंकि वह आरक्षण की समीक्षा तक के पक्ष में नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव याद कीजिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के कुछ दलों ने संविधान की एक प्रतीकात्मक पुस्तिका लहराते हुए फर्जी नेरेटिव फैला दिया था कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने जा रही है, लिहाजा उसने 400 सीट का लक्ष्य तय किया है। यदि संविधान बदलेगा, तो भाजपा आरक्षण भी समाप्त कर सकती है, क्योंकि संघ परिवार मानसिक और वैचारिक तौर पर आरक्षण-विरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को विश्वास दिलाने के खूब प्रयास किए कि न तो संविधान बदलेगा और न ही आरक्षण समाप्त होगा। आरक्षण आज भी जारी है। अंततः नतीजा यह हुआ कि चुनाव में भाजपा को सामान्य बहुमत भी नहीं मिला और वह 240 सीट पर ही ठहर गई। उप्र में भाजपा लक्ष्य से 50 फीसदी से भी कम सीटें जीत पाई और सपा के 37 सांसद जीत कर लोकसभा पहुंचे। कांग्रेस को भी 'रुंगे' में 6 सीट मिल गई। ऐसा ही नेरेटिव अब फिर शुरू किया जा सकता है।

भारत नॉर्डिक समिट से वैश्विक साझेदारी के नए युग की शुरुआत

कांतिलाल मांडोत

नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा और तीसरे भारत-नॉर्डिक समिट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। नॉर्वे डेनमार्क फिनलैंड आइसलैंड और स्वीडन जैसे विकसित तथा तकनीकी रूप से अग्रणी देशों के साथ भारत की बढ़ती निकटता आने वाले समय में विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है। यह समिट केवल औपचारिक बैठक नहीं थी बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच रणनीतिक सहयोग का मजबूत संकेत भी था।

भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। इन देशों की पहचान स्वच्छ ऊर्जा आधुनिक तकनीक मानव विकास नवाचार और सामाजिक कल्याण के मॉडल के रूप में होती है। दूसरी ओर भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था विशाल बाजार और युवा जनसंख्या वाला देश है। ऐसे में दोनों पक्षों के हित एक दूसरे के पूरक बनते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि इस समिट में व्यापार डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कृत्रिम बुद्धिमत्ता अंतरिक्ष विज्ञान ब्लू इकॉनमी और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी।

प्रधानमंत्री मोदी ने समिट के दौरान लोकतंत्र कानून के शासन और बहुपक्षवाद को भारत और नॉर्डिक देशों की साझी ताकत बताया। वास्तव में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जब दुनिया कई प्रकार के संघर्षों और राजनीतिक ध्रुवीकरण का सामना कर रही है तब लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग का महत्व और बढ़ जाता है। भारत और नॉर्डिक देश मानवाधिकार स्वतंत्रता और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थक हैं। यही समानताएं दोनों पक्षों को स्वाभाविक साझेदार बनाती हैं।

इस समिट की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में ग्रीन टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप की घोषणा रही। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और कार्बन उत्सर्जन घटाना सभी देशों की प्राथमिकता बन चुका है। नॉर्डिक देश इस क्षेत्र में पहले से ही अग्रणी हैं। नॉर्वे इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित ऊर्जा के लिए जाना जाता है जबकि डेनमार्क पवन ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी स्थान रखता है। भारत भी सौर ऊर्जा और हरित विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यह साझेदारी पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास का नया मॉडल प्रस्तुत कर सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के क्षेत्र में सहयोग भी इस समिट का महत्वपूर्ण पहलू रहा। आज एआइ विश्व अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास का आधार बनती जा रही है। शिक्षा स्वास्थ्य रक्षा कृषि और उद्योग सभी क्षेत्रों में एआइ की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। भारत के पास विशाल डिजिटल आधार और तकनीकी प्रतिभा है जबकि नॉर्डिक देशों के पास अनुसंधान और नवाचार का मजबूत अनुभव है। दोनों का सहयोग नई तकनीकों के विकास में क्रांतिकारी परिणाम दे सकता है। इसके साथ ही 6जी तकनीक पर साझेदारी की बात यह संकेत देती है कि भारत भविष्य की तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभाना चाहता है।

स्टार्टअप और रिसर्च सहयोग पर विशेष जोर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत आज दुनिया का प्रमुख स्टार्टअप केंद्र बन चुका है। युवा उद्यमियों की नई सोच और नवाचार भारत को वैश्विक तकनीकी शक्ति में बदल रहे हैं। नॉर्डिक देशों के पास अनुसंधान आधारित उद्योगों और तकनीकी नवाचार का लंबा अनुभव है। यदि दोनों पक्ष मिलकर काम करते हैं तो शिक्षा अनुसंधान और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सकता है। इससे रोजगार सृजन तकनीकी विकास और आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

समिट में आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ सभी देशों का एकजुट होना भी भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता माना जा सकता है।

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल ÷डिजिटल÷ होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो।

इसी कारण ÷ऑफलाइन-फर्स्ट÷ मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें। डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं। भारत में बड़ी संख्या में लोग अस्थायी रूप से शहरों में काम करते हैं और अक्सर स्थायी पते से दूर रहते हैं। यदि जनगणना के दौरान वे अपने गांव या मूल निवास स्थान पर नहीं होंगे, तो उनकी गणना छूट सकती है। यही समस्या बेघर लोगों, फुटपाथ निवासियों और अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ भी हो सकती है। इसलिए डिजिटल प्रणाली को इतनी लचीली बनाना होगा कि गतिशील आबादी का सटीक आकलन किया जा सके।

जाति आधारित आंकड़ों का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील और जटिल है। भारत में हजारों जातियां और उप-जातियां हैं, जिनके नाम और सामाजिक पहचान क्षेत्र के अनुसार बदलते रहते हैं। यदि डिजिटल कोडिंग प्रणाली में मानकीकरण की कमी रही, तो गलत वर्गीकरण और डेटा असंगतता की समस्या पैदा हो सकती है। जातिगत आंकड़ों का सीधा संबंध सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि गंभीर विवाद का कारण बन सकती है। सरकार को इस विषय में अत्यधिक सावधानी, विशेषज्ञता और पारदर्शिता की आवश्यकता होगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है एन्यूमरेटरों का प्रशिक्षण। अनुमान है कि लगभग 30 लाख से अधिक गणनाकर्मियों की आवश्यकता होगी, जिनमें बड़ी संख्या स्कूल शिक्षकों की होगी। इन सभी को डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन संचालन, डेटा वैलिडेशन, साइबर सुरक्षा, नैतिकता और गोपनीयता के बारे में व्यापक प्रशिक्षण देना होगा। यदि प्रशिक्षण अपर्याप्त रहा, तो तकनीकी त्रुटियां और डेटा की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है। कई बार तकनीक की विफलता मशीन से नहीं, बल्कि उसके उपयोगकर्ता की अपर्याप्त समझ से होती है। इसलिए मानव संसाधन का सुदृढ़ प्रशिक्षण इस पूरी परियोजना की सफलता की कुंजी होगा।

साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की चिंताएं भी अत्यंत गंभीर हैं। जनगणना में नागरिकों की निजी जानकारी जैसे परिवार संरचना, शिक्षा, रोजगार, प्रवास इतिहास और संभवतः जातिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे। यदि यह डेटा साइबर हमलों, डेटा चोरी या राजनीतिक दुरुपयोग का शिकार हुआ, तो जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। विशेष रूप से चुनावी संदर्भ में डेटा के राजनीतिक उपयोग या दुरुपयोग की आशंकाएं भी बनी रहेंगी। इसलिए सरकार को डेटा एन्क्रिप्शन, सुरक्षित सर्वर, एक्सेस कंट्रोल और स्वतंत्र डेटा सुरक्षा ऑडिट जैसी मजबूत व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। साथ ही, नागरिकों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका डेटा केवल सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह जनगणना अत्यंत संवेदनशील होगी। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन हो सकता है। उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में अंतर के कारण संसदीय सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न राजनीतिक बहस का विषय बन सकता है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक बढ़ी है, तो उसे अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इससे संघीय संतुलन और राजनीतिक शक्ति वितरण पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना आवश्यक होगा। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता भी डिजिटल जनगणना को जटिल बनाती है। देश में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। यदि एप्लिकेशन केवल सीमित भाषाओं में उपलब्ध हुए, तो कई समुदायों की भागीदारी प्रभावित हो सकती है। स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों और क्षेत्रीय विशेषताओं को ध्यान में रखे बिना एक समान डिजिटल ढांचा लागू करना व्यावहारिक नहीं होगा। इसलिए क्षेत्रीय अनुकूलन, बहुभाषी समर्थन और स्थानीय प्रशासनिक सहयोग आवश्यक होगा।

तकनीक के अत्यधिक उपयोग से एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। यदि ,ढ्ढ और त्नढ्ढस् आधारित प्रणालियों पर पूरी तरह निर्भरता बढ़ गई, तो स्वचालित त्रुटियां बड़े पैमाने पर प्रभाव डाल सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र की गलत जियो-मैपिंग या एल्गोरिदमिक वर्गीकरण हजारों लोगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए मानवीय निगरानी, थर्ड-पार्टी ऑडिट और स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य होगा। तकनीक को मानव निर्णय का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत की डिजिटल जनगणना 2027 वास्तव में एक अवसर और जिम्मेदारी दोनों है। यह देश को डेटा-आधारित शासन की दिशा में आगे बढ़ाएगी और योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक तथा सटीक बनाएगी। लेकिन इसकी सफलता केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इस बात पर निर्भर करेगी कि यह कितनी समावेशी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बन पाती है। यदि गरीब, प्रवासी, अशिक्षित और दूरस्थ समुदाय इस प्रक्रिया में प्रभावी रूप से शामिल नहीं हो पाए, तो डिजिटल जनगणना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल और पारंपरिक दोनों तरीकों का संतुलित मिश्रण अपनाए। जहां तकनीक गति और सटीकता प्रदान कर सकती है, वहीं मानवीय संपर्क सामाजिक समावेशन और विश्वास सुनिश्चित करता है। ऑफलाइन डेटा संग्रह, व्यापक प्रशिक्षण, मजबूत साइबर सुरक्षा, स्थानीय भाषाई समर्थन और स्वतंत्र निगरानी तंत्र इस परियोजना की सफलता के लिए आवश्यक होंगे। साथ ही, जनता को जागरूक करना और यह विश्वास दिलाना भी जरूरी होगा कि जनगणना उनके अधिकारों और विकास से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

अंततः, 2027 की डिजिटल जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं होगी; यह भारत के लोकतांत्रिक चरित्र, प्रशासनिक क्षमता और तकनीकी परिपक्वता की परीक्षा भी होगी। यदि भारत इतनी विशाल आबादी और विविधता के बीच सफलतापूर्वक डिजिटल जनगणना कर लेता है, तो यह विश्व इतिहास में एक अद्वितीय उपलब्धि होगी। यह भविष्य की नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक और उत्तरदायी बनाएगी। लेकिन इस तकनीकी क्रांति का वास्तविक मूल्य तभी सिद्ध होगा जब यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे भी समान रूप से प्रतिनिधित्व दे सके। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी जनसंख्या की सही पहचान और प्रत्येक नागरिक के विश्वास में निहित है। इसलिए डिजिटल जनगणना 2027 केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि समावेशी राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

पेट्रोल मूल्य वृद्धि का विरोधाभास, ईंधन बना मुनाफे का इंजन

भारत जैसे देश में, जहाँ करोड़ों लोग प्रत्यक्ष कर दायरे में नहीं आते, पेट्रोल-डीजल पर लगाया गया टैक्स सरकारों के लिए सबसे आसान आय का साधन बन गया है। उपभोक्ता हर दिन, हर लीटर के साथ टैक्स देता है—बिना किसी बहस, नोटिस या प्रतिरोध के। यही कारण है कि पेट्रोल की कीमत अब केवल ऊर्जा लागत से तय नहीं होती; उसमें सरकारों की राजकोषीय भूख भी शामिल होती है।

भूपेन्द्र गुप्ता

भारत में पेट्रोल की बढ़ती कीमतें अब केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कहानी नहीं रह गई हैं। वे सरकारों की उस आर्थिक संरचना का प्रतीक बन चुकी हैं जिसमें ईंधन उपभोक्ता की आवश्यकता कम और राजस्व का सबसे भरोसेमंद स्रोत अधिक दिखाई देता है। आज जब ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया के तनाव के कारण पेट्रोल की कीमतें फिर बढ़ रही हैं, तब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में जनता केवल वैश्विक संकट का बोझ उठा रही है, या फिर उस कर-व्यवस्था का भी भार झेल रही है जिसने ईंधन को राजस्व मशीन बना दिया है?

भारत जैसे देश में, जहाँ करोड़ों लोग प्रत्यक्ष कर दायरे में नहीं आते, पेट्रोल-डीजल पर लगाया गया टैक्स सरकारों के लिए सबसे आसान आय का साधन बन गया है। उपभोक्ता हर दिन, हर लीटर के साथ टैक्स देता है–बिना किसी बहस, नोटिस या प्रतिरोध के। यही कारण है कि पेट्रोल की कीमत अब केवल ऊर्जा लागत से तय नहीं होती; उसमें सरकारों की राजकोषीय भूख भी शामिल होती है। वर्तमान मूल्य वृद्धि इसी विरोधाभास को उजागर करती है। सरकारें कह रही हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महँगा हो गया है, इसलिए कीमतें बढ़ना स्वाभाविक है। यह तर्क आंशिक रूप से ही सही है। भारत लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहाँ पड़ना तय है। लेकिन सवाल यह है कि जब कच्चा तेल सस्ता हुआ था तब जनता को उसी अनुपात में राहत क्यों नहीं मिली?

कोविड काल और उसके बाद कई महीनों तक अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक रूप से नीचे चली गई थीं। उस समय जनता को उम्मीद थी कि पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे। लेकिन हुआ उल्टा। केंद्र सरकार ने एक्साईज ड्यूटी बढ़ाई, और राज्यों ने वैट(मूल्य वर्धित टैक्स) बनाए रखा और पेट्रोल के दाम ऊँचे ही बने रहे। सरकारों का राजस्व बढ़ता गया, जबकि उपभोक्ता राहत की प्रतीक्षा करता रहा।

यहीं से ÷ऊर्जा लागत मॉडल÷ और ÷राजस्व मॉडल÷ का अंतर स्पष्ट होता है।

ऊर्जा लागत मॉडल कहता है कि ईंधन की कीमत मुख्यतः तेल की वास्तविक लागत से तय होनी चाहिए। लेकिन राजस्व मॉडल में ईंधन सरकार के बजट संतुलन का उपकरण बन जाता है। भारत में धीरे-धीरे यही हुआ है। आज भी पेट्रोल की कीमत का बड़ा हिस्सा टैक्स है। यदि पेट्रोल का वास्तविक बेस प्राइस लगभग ?55ङ्क60 प्रति लीटर है, तो उपभोक्ता पंप पर ?110 के आसपास भुगतान करता है। यानी वह केवल पेट्रोल नहीं खरीद रहा है, बल्कि भारी कर-व्यवस्था का वित्तपोषण भी खरीद रहा है।

सबसे बड़ा विरोधाभास तब दिखाई देता है जब सरकारें एक ओर जनता से ÷खर्च कम करने÷, ÷सादगी अपनाने÷ और ÷वैश्विक संकट सहने÷ की अपील करती हैं, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल को राजस्व संग्रह के स्थायी साधन की तरह इस्तेमाल करती रहती हैं। यदि वास्तव में संकट साझा है, तो उसका बोझ केवल उपभोक्ता पर क्यों डाला जाए? टैक्स संरचना में स्वतः कमी क्यों नहीं आती?

यह भी ध्यान देने योग्य है कि पेट्रोल-डीजल पर टैक्स एक प्रतिगामी कर (रिग्रेसिव टैक्स) की तरह काम करता है। अमीर और गरीब–दोनों एक लीटर पेट्रोल पर लगभग समान टैक्स देते हैं। लेकिन उसका वास्तविक बोझ गरीब और मध्यवर्ग पर अधिक पड़ता है। डीजल महँगा होते ही परिवहन महँगा होता है, और फिर खाद्यान्न से लेकर निर्माण सामग्री तक सबकी कीमतें बढ़ जाती हैं। यानी ईंधन मूल्य वृद्धि केवल वाहन चलाने वालों की समस्या नहीं रहती , वह पूरी अर्थव्यवस्था में महँगाई का दबाव पैदा करती है।

सरकारों का तर्क है कि इसी राजस्व से सड़कें बनती हैं, कल्याणकारी योजनाएँ चलती हैं और राजकोषीय घाटा नियंत्रित होता है। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जनता को यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार राहत दे, तब उसका लाभ सीधे उपभोक्ता तक पहुँचे? और यदि संकट के समय जनता से त्याग अपेक्षित है, तो क्या सरकारों को भी अपने कर ढाँचे में लचीलापन नहीं दिखाना चाहिए?

वर्तमान पेट्रोल मूल्य वृद्धि केवल एक आर्थिक घटना नहीं है; यह उस नीति-दर्शन का प्रतिबिंब है जिसमें ईंधन को जीवन की आवश्यकता कम और राजस्व के अवसर के रूप में अधिक देखा जाने लगा है। जब तक पेट्रोल-डीजल को स्थायी कर-स्रोत की तरह इस्तेमाल किया जाता रहेगा, तब तक हर वैश्विक संकट का पहला और सबसे भारी असर आम भारतीय नागरिक की जेब पर ही पड़ेगा।

नीट पेपर लीक पर युवाओं का प्रदर्शन : 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में युवा बोले- शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में सोशल मीडिया पर चर्चित कॉकरोच जनता पार्टी का प्रभाव अब जमीनी स्तर पर भी दिखने लगा है सोमवार को युवाओं ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर शिक्षा व्यवस्था पेपर लीक और छात्र संबंधी मुद्दों को उठाया उन्होंने सरकार से शिक्षा नीतियों में सुधार और परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने की मांग की।

नीट पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित: प्रेस वार्ता में बिक्की यादव ने हाल ही में हुए नीट परीक्षा पेपर लीक जैसे मामलों का जिक्र किया उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। यादव ने बताया कि इस प्रेस वार्ता का उद्देश्य शिक्षा से जुड़े मुद्दों और युवाओं की आवाज सरकार तक पहुंचाना है क्योंकि वर्तमान शिक्षा नीति में बड़े बदलाव की आवश्यकता है

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग: युवाओं ने सरकार से पेपर लीक मामलों के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2024 में पेपर लीक को लेकर लाए गए कानून में 10 साल तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है इसके बावजूद लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से युवाओं में आक्रोश है उन्होंने नीट पेपर लीक के सभी आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पर भी उठाए सवाल: युवाओं ने मध्य प्रदेश सरकार की नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि भर्ती और परीक्षाओं में अपनाई जा रही यह प्रणाली इतनी जटिल है कि अधिकांश युवाओं को अंकों के निर्धारण का आधार समझ नहीं आता। उन्होंने इस फॉर्मूले को सरल और पारदर्शी बनाने की मांग की।

सोशल मीडिया अभियान से जुड़ रहे लाखों युवा: बिक्की यादव ने बताया कि कॉकरोच जनता पार्टी फिलहाल सोशल मीडिया पर एक अभियान के रूप में सक्रिय है इसके माध्यम से लाखों युवा अपनी नाराजगी और समस्याओं को सामने ला रहे हैं उन्होंने दावा किया कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाखों फॉलोअर्स और सब्सक्राइबर हैं और बड़ी संख्या में युवा इससे जुड़ रहे हैं।

शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग: उन्होंने कहा कि पार्टी के फाउंडर अभिजीत द्वारा शिक्षा मंत्री से नीट पेपर लीक मामले में इस्तीफे की मांग की गई है, जिसका वे समर्थन करते हैं। उनका कहना था कि नैतिक जिम्मेदारी के आधार पर संबंधित जिम्मेदार लोगों को पद छोड़ देना चाहिए प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि यदि भविष्य में यह संगठन राजनीतिक रूप से धरातल पर सक्रिय होता है तो यह युवाओं के भविष्य रोजगार और आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देगा युवाओं ने बताया कि हाल ही में भोपाल में भी इसी तरह की प्रेस वार्ता आयोजित की गई थी जिससे प्रेरित होकर शिवपुरी में यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में छात्र हितों की आवाज लगातार बुलंद की जाएगी और अब युवा जागरूक हो रहा है इसलिए सरकार को भी अधिक संवेदनशील होना पड़ेगा इस प्रेस वार्ता में विक्की यादव के साथ पुष्पेंद्र, शैलेन्द्र और शिवराम भी मौजूद रहे।

ई-ऑफिस प्रणाली को लेकर शासन सख्त

1 जून से सभी शासकीय फाइलें केवल ऑनलाइन माध्यम से होंगी संचालित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है शासन ने निर्देश जारी कर स्पष्ट किया है कि 1 जून 2026 से सभी विभागों और शासकीय कार्यालयों में फाइलों एवं कार्यालयीन नस्तियों का संचालन केवल ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा इसके बाद किसी भी प्रकार की फिजिकल या ऑफलाइन फाइल स्वीकार नहीं की जाएगी शासन ने कहा है कि पूर्व में 1 जनवरी 2026 से ही सभी शासकीय फाइलों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के निर्देश प्रभावी किए जा चुके थे लेकिन कई विभागों और अधीनस्थ कार्यालयों में अब भी भौतिक फाइलों के जरिए काम किया जा रहा था। इसे डिजिटल गवर्नेंस की अवधारणा के विपरीत मानते हुए अब कड़े निर्देश जारी किए गए हैं नए आदेश के अनुसार शासन स्तर पर निर्णय, समन्वय, सहमति या अनुमोदन के लिए भेजे जाने वाले सभी प्रस्ताव केवल ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से ही भेजे जाएंगे फिजिकल डॉक या ऑफलाइन माध्यम से भेजे गए प्रस्तावों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी और उन्हें संबंधित विभाग को वापस लौटा दिया जाएगा हालांकि शासन ने अत्यंत गोपनीय और संवेदनशील मामलों में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बाद भौतिक प्रक्रिया अपनाने की छूट दी है। इसके अलावा कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की शासकीय ई-मेल आईडी अभी तक नहीं बनी है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ई-मेल उपलब्ध कराकर ई-ऑफिस पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया जाए शासन का मानना है कि ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और फाइलों की मॉनिटरिंग अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी साथ ही दस्तावेजों की सुरक्षा, रिकॉर्ड प्रबंधन और पारदर्शिता को भी मजबूती मिलेगी।

झीरम घाटी कांड की 13वीं बरसी...कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि सभा में जुटे दिग्गज,महंत ने नक्सलवाद खत्म होने के दावे पर उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में झीरम घाटी कांड की 13वीं बरसी पर जिला कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत सहित कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, डॉ. विनय जायसवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरव मिश्रा एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि झीरम घाटी की घटना को 13 साल बीत चुके हैं लेकिन पीड़ित परिवारों को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने इस घटना को छत्तीसगढ़ की राजनीति और प्रदेश के इतिहास का एक काला अध्याय बताया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता ।

नक्सलवाद खत्म होने के दावे पर उठाए सवाल: डॉ. महंत ने प्रदेश के गृहमंत्री के इस दावे पर भी टिप्पणी की कि नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब यह देखना होगा कि सरकार आत्मसमर्पण कर लौटे नक्सलियों के पुनर्वास, उनके रहने की व्यवस्था, बच्चों की शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए क्या कदम उठाती है उन्होंने जोर दिया कि केवल नक्सलवाद खत्म होने का दावा करना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति और विकास सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

तपती धूप में भी जलसेवा का संकल्प कायम : दूरस्थ गांवों तक निर्बाध पेयजल पहुंचाने में जुटी पीएचई टीम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी, उमस और लगातार बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ लगातार मैदान में डटी हुई है। विकासखंड भरतपुर के ग्राम थोरगी सहित दूरस्थ और संवेदनशील ग्रामीण इलाकों में विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल स्वयं लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर पेयजल योजनाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने तकनीकी कर्मचारियों एवं हैंडपंप मैकेनिकों को खराब हैंडपंपों पाइपलाइन संबंधी समस्याओं तथा पेयजल व्यवस्थाओं में आने वाली तकनीकी बाधाओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। विभाग की टीम भीषण गर्मी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत दिलाने के लिए दिन-रात कार्य कर रही है जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं के नियमित संचालन के साथ-साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है लोगों से आवश्यकता न होने पर नल की टोटी बंद रखने पानी का दुरुपयोग रोकने और जल बचाने की अपील की जा रही है। विभाग द्वारा यह संदेश भी दिया जा रहा है कि पानी केवल आज की आवश्यकता नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य संसाधन है इसलिए इसका संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है भ्रमण के दौरान ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के सदस्यों के साथ बैठक कर योजनाओं के सतत संचालन में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को जल कर संग्रहण के महत्व से अवगत कराया गया ताकि योजनाओं का रखरखाव लंबे समय तक सुचारु रूप से जारी रखा जा सके इसके साथ ही प्रत्येक घर के नल कनेक्शन के पास सोख्ता गड्ढा निर्माण को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए जिससे जल संरक्षण के साथ स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूती मिल सके।

पेट्रोल-डीजल विक्रय को लेकर प्रशासन के सख्त निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश के अनुक्रम में पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिले में पेट्रोल एवं डीजल के विक्रय संबंधी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं जारी निर्देशों के अनुसार जिले के सभी पेट्रोल एवं डीजल रिटेल आउटलेट संचालकों को केवल उपभोक्ताओं के वाहनों की टंकी में ही ईंधन विक्रय करने की अनुमति होगी किसी भी परिस्थिति में डिब्बे, बोतल, जेरीकेन अथवा अन्य किसी पात्र में पेट्रोल या डीजल का विक्रय नहीं किया जाएगा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन मोटर स्पिरिट एवं उच्च वेग डीजल (प्रदाय तथा वितरण का विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश 2005 के अंतर्गत 'अप्राधिकृत विक्रय' माना जाएगा तथा संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कृषकों, जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित शासकीय कार्यों एवं अत्यावश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल मोबाइल टॉवर आदि के लिए आवश्यकतानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा परीक्षण उपरांत सुरक्षा मानकों के अनुरूप पृथक अनुमति प्रदान की जा सकेगी जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत संचालित पेट्रोल पंपों का सतत निरीक्षण कर आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं इसके साथ ही खाद्य विभाग राजस्व विभाग एवं संबंधित ऑयल कंपनियों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से समय-समय पर निरीक्षण एवं जांच कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

भिण्ड पुलिस की सूझबूझ से टली बड़ी अनहोनी नशे में टॉवर पर चढ़े युवक को आरक्षक ने जान जोखिम में डालकर बचाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (निप्र)। भिण्ड जिले के गोहद चौराहा थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस की तत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता का अनोखा उदाहरण देखने को मिला शराब के नशे में एक व्यक्ति एयरटेल मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया जिससे इलाके में हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सूझबूझ से रेस्क्यू अभियान चलाकर व्यक्ति की जान बचा ल घटना 23 मई की है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी रामनरेश यादव पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। एसडीओपी गोहद महेन्द्र गौतम ने स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे अभियान की कमान संभाली। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल लगातार मौके पर तैनात रहा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कंट्रोल रूम के माध्यम से एसडीआरएफ टीम और नगर पालिका गोहद की फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया पुलिस ने मोबाइल फोन और पीए सिस्टम के जरिए युवक से लगातार बातचीत की उसके पिता पत्नी और बच्चों से भी समझाइश दिलाई गई लेकिन युवक नशे की हालत में किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था इसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ टीम और स्थानीय युवकों की मदद से योजनाबद्ध तरीके से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। एसडीआरएफ ने सुरक्षा जाल लगाया जबकि आरक्षक 621 परशुराम रावत ने असाधारण साहस दिखाते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर टॉवर पर चढ़ाई की। उन्होंने युवक को सुरक्षित अपने कंधे पर बैठाया और रस्सियों के सहारे नीचे उतारने में अहम भूमिका निभाई पुलिस की तत्परता और साहसिक कार्रवाई से बड़ी अनहोनी टल गई युवक का मेडिकल परीक्षण कराकर उसे सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर साबित किया कि वह केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में मानव जीवन की रक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है।

नेता प्रतिपक्ष महंत बोले- रामभद्राचार्य भाजपा के प्रचारक,ज्योत्सना महंत बोलीं- धर्म की आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को भाजपा का प्रचारक बताया है। वहीं सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि धर्म की आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए। सोमवार को दोनों मनेंद्रगढ़ पहुंचे थे जहां मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह बयान दिया नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि रामभद्राचार्य धर्म के नाम पर राजनीति करने आए हैं और वे भाजपा के प्रचारक हैं मैं उनको न जगतगुरु मानता हूं और न गांव का गुरु मानता हूं इसी मुद्दे पर कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत ने भी अपनी राय रखी उन्होंने स्पष्ट कहा कि धर्म की आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए मैं काम को ही धर्म मानती हूं मेरे लिए जनता की सेवा सबसे महत्वपूर्ण है मैं उनसे मिल चुकी हूं उनकी कथा भी सुन चुकी हूं, लेकिन जनप्रतिनिधियों को सेवा भाव में रहना चाहिए।

मध्यप्रदेश पुलिस का प्रदेशव्यापी कॉम्बिंग अभियान

2500 पुलिसकर्मी मैदान में, 2100 से अधिक वारंटी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अपराधियों, फरार वारंटियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रदेशभर में विशेष 'कॉम्बिंग गश्त' अभियान चलाया। देर रात से सुबह तक चले इस व्यापक अभियान में 2500 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान शामिल हुए। अभियान का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय पैदा करना और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना रहा राज्यव्यापी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2100 से अधिक वारंट तामील करते हुए बड़ी संख्या में फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों, जिला बदर अपराधियों तथा निगरानी बदमाशों की सघन चेकिंग की गई। पुलिस ने अवैध शराब, जुआ-सट्टा, अवैध हथियार और मादक पदार्थों के खिलाफ भी विशेष कार्रवाई की ग्वालियर में पुलिस ने 249 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 121 स्थायी और 128 गिरफ्तारी वारंट शामिल रहे। वहीं 303 हिस्ट्रीशीटरों और गुंडों की जांच की गई। जबलपुर में 191 वारंट तामील किए गए, जिनमें 120 स्थायी और 71 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं टीकमगढ़ में दो दिवसीय मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशन के तहत 467 वारंट तामील किए गए इसके अलावा वाहन चेकिंग और आबकारी एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई मुरैना में 150 वारंटियों की गिरफ्तारी के साथ 8 पेटी अवैध शराब जब्त की गई विदिशा में पुलिस ने 720 स्थानों पर दबिश देकर 297 वारंट तामील किए। वहीं उज्जैन में 200 वारंट तामील कर 150 से अधिक निगरानी बदमाशों की चेकिंग की गई। हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में फरार चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया मंदसौर में पुलिस ने 109 वारंटियों को गिरफ्तार किया कार्रवाई के दौरान 68 ग्राम एमडी ड्रग और 65 किलो डोडाचूरा जब्त किया गया। इसके अलावा अवैध शराब और जुआ-सट्टा के मामलों में भी कार्रवाई की गई खंडवा में 144 आरोपियों शाजापुर में 150 वारंटियों सिवनी में 103 और खरगोन में 87 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। प्रदेशभर में चलाए गए इस अभियान को मध्यप्रदेश पुलिस की अपराध नियंत्रण की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रदेश में इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे ताकि कानून व्यवस्था मजबूत बनी रहे और जनता में विश्वास कायम हो सके।

खंडवा पुलिस की सतर्कता से युवक की बची जान ओंकारेश्वर में डूब रहे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस के एक जवान ने साहस तत्परता और मानवता का परिचय देते हुए ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में डूब रहे युवक की जान बचाकर मिसाल पेश की है खंडवा जिले के थाना मान्धाता क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस जवान की बहादुरी की सराहना की जा रही है जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र निवासी 29 वर्षीय अभिषेक नांदेड़ अपने तीन दोस्तों के साथ ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आया था दर्शन से पहले सभी युवक सुबह नर्मदा नदी में स्नान करने पहुंचे स्नान के दौरान वे अनजाने में गहरे पानी की ओर चले गए इस दौरान दो युवक तो सुरक्षित बाहर निकल आए लेकिन अभिषेक गहरे पानी में फंस गया और डूबने लगा अपने साथी को संकट में देख उसके दोस्तों ने मदद के लिए जोर-जोर से आवाज लगाई घाट पर ड्यूटी में तैनात थाना मान्धाता के आरक्षक रवि सोलंकी ने जैसे ही सहायता की पुकार सुनी वे तुरंत सक्रिय हो गए बिना अपनी जान की परवाह किए उन्होंने नर्मदा नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी कठिन परिस्थितियों और तेज बहाव के बीच आरक्षक रवि सोलंकी ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए युवक तक पहुंचकर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया समय रहते किए गए इस साहसिक प्रयास से युवक की जान बच गई।

भोपाल-इंदौर मार्ग पर बाइक की टक्कर, 3 घायल, तेज रफ्तार रेसिंग बाइक ने दूसरी बाइक से टकराई थी

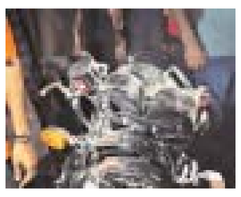

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम कोठरी में रविवार रात भोपाल-इंदौर मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार रेसिंग बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार और एक अन्य व्यक्ति सड़क पर गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही अमलाहा पुलिस चौकी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को संभाला और एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रेसिंग बाइक की अत्यधिक गति के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह दुर्घटना हुई। अमलाहा पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिस पर नियंत्रण आवश्यक है।

सीहोर में 62 लाख की अवैध बीयर जब्त, 1,991 पेटियों से 47,784 केन मिलीं ; भोपाल-इंदौर हाईवे पर खड़ा था ट्रक

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में भोपाल-इंदौर हाईवे पर एक ट्रक से 62 लाख रुपए की बीयर जब्त की है। ट्रक लावारिस रूप से सड़क पर खड़ा हुआ था। जावर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। मुख्यमंत्री के नशा मुक्ति अभियान और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देशों के तहत सीहोर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता के मार्गदर्शन में जावर थाना प्रभारी हेमंत पांडेय के नेतृत्व में टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, रविवार को जावर पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोपाल-इंदौर हाईवे पर सरहदी से पहले एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां निर्माणाधीन चद्दर शेड के सामने एक ट्रक लावारिस हालत में मिला, जिसके पास कोई मौजूद नहीं था। पुलिस टीम ने जब ट्रक की तलाशी ली, तो उसमें भारी मात्रा में शराब भरी हुई पाई गई। ट्रक से कुल 1,991 पेटियां बरामद हुईं, जिनमें 'पावरकूल' ब्रांड की 47,784 बीयर केन थीं। जब्त की गई बीयर की कुल मात्रा 23,892 लीटर आंकी गई है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 62 लाख 11 हजार 920 रुपये है। पुलिस ने अवैध शराब और ट्रक को विधिवत जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

छतरपुर में तेंदूपत्ता तोड़ते समय पेड़ से गिरा युवक, मौत

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा में तेंदूपत्ता तोड़ते समय पेड़ से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। युवक को गंभीर आंतरिक चोटें आई थीं, जिसके बाद उसे ग्वालियर रेफर किया गया था। हालांकि, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सूरजपुरा निवासी 36 वर्षीय संतोष प्रजापति पिता गिरधारी प्रजापति के रूप में हुई है। यह घटना शनिवार को तब हुई जब संतोष तेंदू के पेड़ पर चढ़कर पत्ते तोड़ रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं।

भूत-प्रेत उतारने के बहाने घर से गहने ले गए बदमाश

श्मशान ले जाकर परिवार को उलझाया, हुसैन टेकरी से चार आरोपी और चोरी के गहने पकड़े

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के पिपलौदा थाना अंतर्गत गांव पंचेवा में एक घर में साधु के वेश में घुस 4 बदमाशों ने भूत प्रेत का साया बताते हुए झाड़ फूंक किया। घर की महिलाओं के गहने उतरवाकर गेहूं की ढेरी पर रखवा दिए। पूजा के बहाने घर के सदस्य को श्मशान लेकर गए, फिर रफुचक्कर हो गए। घर में गहने नहीं मिले तो चोरी का पता चला। पुलिस ने झाड़ फूंक के नाम पर चोरी करने वाले मंदसौर के तीन व एक प्रतापगढ़ के आरोपी को जावरा के हुसैन टेकरी से पकड़ा है।

चोरी के घटनाक्रम का खुलासा रविवार दोपहर जावरा एसडीओपी व थाना पुलिस ने किया। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि 23 मई को कारीबाई निवासी ग्राम पंचेवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि 21 मई को चार लोग उसके घर पर गेहूं व चावल की भिक्षा मांगते हुए आए थे। कहा कि तुम्हारे घर में भुत प्रेत का साया है जिसे जादू मंत्र व टोटके से दूर कर सकते हैं। आरोपियों ने घर में चावल व गेहूं की ढेरी जमीन पर बिछाई।

झाड़ फूंक करने लगे। कहा कि जो भी जेवरात किसी ने पहने हो तो वो उतारकर ढेरी पर रख दो। तब फरियादी की बेटी चेतना द्वारा अपने गले में पहना एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोडी चांदी की पायल, एक चांदी की चेन उतारकर ढेरी पर रख दी। आरोपियों ने ढेरी में जेवरात को ओट दिया। सभी घर वालों को थोडी दूर बैठने को कहा।

बेटे को लेकर गए श्मशान: फरियादी के छोटे बेटे को आरोपी पूजा के लिए श्मशान घाट की तरफ ले गए। वापस घर से थोड़ी दूर छोड़कर पैदल चले फिर बाइक से भाग गए। बाद में परिवार ने देखा तो गेहूं की ढेरी में रखे उनके गहने गायब थे। महिला का पति घर पर नहीं होने से पीछा नहीं कर पाए। बाद में पिपलौदा थाना पहुंच कर घटनाक्रम बताया। पुलिस ने चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया।

घटनाक्रम एसपी अमित कुमार व एएसपी विवेक कुमार लाल को बताया। इसके बाद टीम बनाई। टीम में जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय, पिपलौदा थाना प्रभारी रमेश कोली, चौकी प्रभारी सुखेडा राजू मखोड व अन्य को शामिल कर आरोपियों की तलाश की गई।

4 संदिग्ध को पकड़ा हो गया खुलासा

पुलिस टीम ने हुसैन टेकरी जावरा क्षेत्र में तलाश की। 4 संदिग्ध मिले। अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपियों के पास एक सोने का मंगलसुत्र, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी की चेन व घटना में प्रयुक्त बाइक क्रमांक एमपी 14 एनई 5466 व एक बिना नंबर की बाइक को जब्त कर लिया। पुलिस इन बदमाशों से अन्य स्थानों पर वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

विजय (21) पिता प्रहलाद राव निवासी ग्राम ठिकरिया थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ (राजस्थान)। लखन (21) पिता मांगीलाल राव निवासी अंकुर स्कूल के पीछे शिवाजी मगरा दलोदा जिला मंदसौर। भोला (26) पिता शोभाराम राव निवासी ग्राम गुलियाना थाना दलोदा जिला मंदसौर। कन्हैयालाल उर्फ नरेंद्र (22) पिता गोवर्धन महाराज राव निवासी रेल्वे फाटक के पास वार्ड नंबर 20 दलोदा जिला मंदसौर।

जंगल में लगा शराब की खाली बोतलों का अंबार

सोहागपुर में रिसॉर्ट्स के करीब लगा ढेर ,वन्यजीवों और जंगल पर मंडरा रहा खतरा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर वन क्षेत्र के घने जंगलों में शराब की खाली बोतलों, बीयर कैन और प्लास्टिक कचरे का बड़ा अंबार लगा हुआ है। रैनीपानी से मंगरिया के बीच मुख्य सड़क से महज 50 कदम की दूरी पर यह कचरा फेंका जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस क्षेत्र के 15 किमी के दायरे में कोई ढाबा, होटल या शराब की दुकान नहीं है, बल्कि केवल रसूखदारों के महंगे और लग्जरी रिसॉर्ट्स स्थित हैं। यह कचरा वन्यजीवों और जंगल के पूरे इको-सिस्टम के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। करीब 2000 स्क्वायर फीट के क्षेत्र में शराब और बीयर की खाली बोतलों के 3 से 4 बड़े ढेर लगे हुए हैं। इसे देखकर साफ पता चलता है कि यह कचरा लंबे समय से यहां फेंका जा रहा है, लेकिन वन विभाग इस पूरे मामले से बेखबर है। मंगरिया पंचायत के स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग गश्त नहीं करता और इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है।

एसटीआर बफर जोन से सटा है इलाका: जिस जगह पर यह कचरा डंप किया जा रहा है, वह सामान्य वन मंडल क्षेत्र में आता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इससे कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (STR) का बफर क्षेत्र शुरू हो जाता है। इस इलाके में अक्सर टाइगर, तेंदुआ, सांभर और हिरण जैसे कई वन्य प्राणी विचरण करते देखे जाते हैं।

वन्यजीवों की जान और जंगल में आग का खतरा: सूखे पत्तों के बीच पड़ी ये कांच की टूटी बोतलें और टिन के कैन वन्य प्राणियों के पैरों में चुभ सकते हैं। प्लास्टिक खाने से उनकी मौत भी हो सकती है। इसके अलावा, भीषण गर्मी में सूखे पत्तों पर पड़ी कांच की बोतलें लेंस का काम करती हैं, जिससे जंगल में आग लगने (दावानल) का खतरा काफी बढ़ जाता है। बारिश होने पर यही कचरा बहकर नदी-नालों में जाएगा और वन्यजीवों का पीने का पानी भी दूषित करेगा।

रेंजर बोले- मुझे जानकारी नहीं, कार्रवाई करेंगे: सोहागपुर रेंजर सुमित पांडे ने इस मामले पर अनभिज्ञता जताते हुए कहा, 'आपके माध्यम से मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैं स्टाफ भेजकर इसे दिखवाता हूं। जंगल में शराब और बीयर की खाली बोतलें किसने फेंकी हैं, इसकी जानकारी जुटाई जाएगी और कचरा फेंकने वाले के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। जंगल में कचरा फेंकना वन्य प्राणी और जंगल दोनों के लिए खतरा है।' बता दें कि वन संरक्षण अधिनियम के तहत आरक्षित वन क्षेत्र में कचरा फेंकने पर जुर्माने और सजा का स्पष्ट प्रावधान है।

समर्थन मूल्य पर देश में सबसे अधिक 13.10 लाख किसानों से हुआ गेहूं का उपार्जन

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक 13 लाख 10 हजार किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में नंबर-1 स्थान पर है। इस तरह से मध्यप्रदेश समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के मामले में सर्वाधिक किसानों को लाभांवित करने वाला राज्य है। यही नहीं अब तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर मध्यप्रदेश पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। गेहूं का उपार्जन अभी भी जारी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में सतत कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री कर रहे सतत मॉनिटरिंग: मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों के हित में जिन किसानों ने स्लाट बुक करा लिये हैं, उनके गेहूं उपार्जन की अवधि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक कर दी है।

किसानों को 20,680 करोड़ से अधिक का भुगतान: किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 20,680.83 करोड़ रूपये का भुगतान भी किया जा चुका है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया।

आकाशीय बिजली एवं तेज आंधी-तूफान से जनहानि रोकने के लिए एडवाइजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रदेश में प्री-मानसून एवं मानसून अवधि के दौरान आकाशीय बिजली गिरने, तेज आंधी-तूफान एवं खराब मौसम की घटनाओं से संभावित जनहानि एवं संपत्ति नुकसान को रोकने के उद्देश्य से शासन द्वारा विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए व्यापक सतर्कता बरतने तथा आमजन को समय पर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि आकाशीय बिजली प्राकृतिक आपदा के रूप में बड़ी संख्या में जनहानि का कारण बनती है, इसलिए समय रहते चेतावनी प्रणाली को प्रभावी बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मौसम संबंधी पूर्वानुमान एवं चेतावनी तंत्र को मजबूत करते हुए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया है। एडवाइजरी के अनुसार भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विकसित 'दामिनी' मोबाइल एप का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि नागरिकों को आकाशीय बिजली गिरने की संभावित जानकारी 24 घंटे पहले तक प्राप्त हो सके। आमजन से अपील की गई है कि वे अपने मोबाइल में 'दामिनी' एप डाउनलोड करें तथा मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट पर गंभीरता से अमल करें। प्रशासन द्वारा नगरीय निकायों, पंचायतों, राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग तथा पुलिस प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम स्तर तक व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यह बताया जाएगा कि खराब मौसम एवं बिजली कड़कने के दौरान किन सावधानियों का पालन करना आवश्यक है। जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि आकाशीय बिजली चमकने के दौरान खुले मैदान, पेड़, बिजली के खंभों, टावर, जलाशयों एवं धातु की वस्तुओं से दूर रहना चाहिए। किसानों, मजदूरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। खराब मौसम की स्थिति में लोगों को सुरक्षित भवनों के भीतर रहने तथा अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

खरगोन में पश्चिम बंगाल का हथियार तस्कर गिरफ्तार

बस पकड़ने से पहले दबोचा, बैग से चार पिस्टल और देसी कट्टा बरामद

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के भीकनगांव क्षेत्र में रविवार को अवैध हथियारों की तस्करी करते हुए पश्चिम बंगाल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से चार देसी पिस्टल और एक देसी कट्टा बरामद किया है, जिनकी कीमत 95 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है। भीकनगांव थाना प्रभारी नीरज सारवान और बमनाला चौकी प्रभारी राजेंद्र अवास्या को सूचना मिली थी कि आरोपी सिगनूर से हथियार खरीदकर बमनाला आ रहा है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने ललनी में पोई फाटा प्रतिक्षालय पर घेराबंदी कर

आरोपी को बस पकड़कर भागने से पहले ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के काशीमनगर निवासी आमिनूल इस्लाम पिता साजाहान अली के रूप में हुई, जो वर्तमान में इंदौर के देवास नाका पर रह रहा था। उसके बैग से 80 हजार रुपए मूल्य की चार अवैध देसी पिस्टल और 15 हजार रुपए मूल्य का एक देसी कट्टा जब्त किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है।

बेगमगंज में एटीएम में किसान का कार्ड बदलकर ठगी

सर्वर डाउन के बीच बातों में उलझाया, खाते से 10 हजार रुपए निकाले

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज में रविवार को एक किसान ठगी का शिकार हो गया। विदिशा जिले के ग्यारसपुर निवासी देवेंद्र लोधी जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से पैसे निकालने गए, तो अज्ञात ठगों ने उनका एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 10 हजार रुपए निकाल लिए। किसान ने बेगमगंज थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

किसान देवेंद्र लोधी बेगमगंज बाजार करने आए थे। उन्होंने पुराने बस स्टैंड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से 20 हजार रुपए निकालने का प्रयास किया, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण पैसे नहीं निकल पाए। इसी दौरान एटीएम केबिन में पीछे खड़े दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें बातों में उलझा लिया।

आरोप- कार्ड बदलकर फरार हुए बदमाश: ठगों ने मौके का फायदा उठाकर देवेंद्र लोधी का एटीएम कार्ड बदल दिया और वहां से फरार हो गए। घटना के करीब 10 मिनट बाद देवेंद्र लोधी के मोबाइल पर उनके खाते से 10 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया, जिससे उन्हें ठगी का पता चला।

देवेंद्र लोधी (पिता कन्छेदी लोधी) ने अपनी शिकायत में बताया कि वह अपने खाते से पैसे निकालने की कोशिश कर रहे थे। ठगों ने उनकी पूरी प्रक्रिया देखी और बातों में उलझाकर कार्ड बदल दिया।

पुलिस ने किसान की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। ठगों की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और उनकी तलाश जारी है।

खाली बर्तन लेकर सड़क पर चक्काजाम: रतलाम में समय पर जल न मिलने पर नाराज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के डोसी गांव स्थित पीएम आवास मल्टी में पानी की समस्या से परेशान रहवासियों ने रविवार दोपहर शहर के प्रवेश मार्ग पर बने फोरलेन पर चक्काजाम कर दिया। महिलाएं और अन्य रहवासी खाली बर्तन लेकर सड़क पर बैठ गए और पार्षद से लेकर नगर निगम के अधिकारियों तक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नगर निगम ने मौके पर पानी के टैंकर भेजे, लेकिन रहवासी मानने को तैयार नहीं हुए। इसी दौरान दूसरी ओर नगर निगम की फायर लॉरी से रेलवे ग्राउंड में पानी का छिड़काव किया जा रहा था, जिससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया।

बोले- कई दिनों से पानी के लिए परेशान: रहवासियों का कहना था कि वे लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। टैंकर आते तो हैं, लेकिन उससे

दूसरी तरफ फायर लॉरी से हो रहा था छिड़काव

पूरी मल्टी की जरूरत पूरी नहीं हो पाती। नल कनेक्शन होने के बावजूद टंकियों में नियमित पानी नहीं भरा जाता।

चक्काजाम की सूचना मिलने पर औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी गायत्री सोनी, नगर निगम के इंजीनियर और अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन रहवासी सुनने को तैयार नहीं हुए।

एक नहीं, चार टैंकर पहुंचे फिर भी नहीं माने लोग: नगर निगम ने पहले एक पानी का टैंकर भेजा, लेकिन रहवासियों ने कहा कि इससे पूरी मल्टी की समस्या खत्म नहीं होगी। इसके बाद तीन और टैंकर बुलाए गए, फिर भी लोग नहीं माने और पानी के साथ अन्य समस्याएं भी उठाने लगे।

काफी देर बाद तहसीलदार पिंकी साठे मौके पर पहुंचीं और रहवासियों से चर्चा की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

रहवासी बोलीं- वॉलमैन समय पर पानी नहीं छोड़ता: रहवासी लता गौड़ ने बताया कि समय पर टैंकर नहीं आता। नल लगे हुए हैं, लेकिन वॉलमैन समय पर पानी नहीं छोड़ता। कई घरों तक पानी पहुंचता ही नहीं।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों से लोग परेशान हैं। क्षेत्र में पानी की टंकी बनी हुई है, लेकिन उसमें पानी नहीं भरा जाता। वॉलमैन पहले नल कनेक्शन की डायरी बनवाने की बात कहता है, जिसके कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कमिश्नर बोले- कई लोगों ने अब तक नहीं कराई रजिस्ट्री: करीब ढाई घंटे बाद दोपहर तीन बजे नगर निगम कमिश्नर अनिल भाना मौके पर पहुंचे। उन्होंने पांच लोगों को बातचीत के लिए आगे आने को कहा।

कमिश्नर ने बताया कि मल्टी में रहने वाले कई लोगों ने अब तक फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं कराई है। कई लोग लोन की किश्तें भी जमा नहीं कर रहे हैं। वहीं अधिकांश रहवासियों ने नल कनेक्शन की डायरी भी नहीं बनवाई है।

उन्होंने कहा कि सोमवार को कैंप लगाकर डायरी बनाई जाएगी। फिलहाल पानी के टैंकर भेजे गए हैं, उनसे पानी भर लें। हालांकि रहवासी उनकी बात मानने को तैयार नहीं हुए और फिर सड़क पर बैठ गए।

झुग्गी बस्तियों से लाकर बसाए गए थे लोग: डोसी गांव स्थित पीएम आवास मल्टी में करीब पांच साल पहले शहर की अवैध झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्थानांतरित किया गया था। यहां करीब 400 फ्लैट हैं। नगर निगम ने पानी की लाइन और टंकियों का निर्माण कराया था, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने अब तक नियमित नल कनेक्शन नहीं लिए हैं।

भारतीय क्रिकेटरों की बहनें: स्टारडम और स्टाइल में किसी से कम नहीं !

मुम्बई, एजेंसी। आधुनिक क्रिकेट के इस दौर में खिलाड़ी सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी के हर पहलू को साझा करते हैं। वहीं प्रशंसक भी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की जिंदगी से लेकर परिवार से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात की जानकारी रखना पसंद करते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी अक्सर सुर्खियां बटोरते नजर आते हैं। आज हम बात करेंगे भारतीय क्रिकेट जगत के ऐसे पांच सितारों की बहनों की, जिनकी लोकप्रियता और स्टारडम किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है और जिनकी अपनी एक अलग पहचान है। इसमें शुभमन गिल की बहन शहनील गिल से लेकर तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर और श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर व अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर शामिल है और अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा शामिल हैं ।

शुभमन गिल की बहन शहनील गिल: शहनील अपने ग्लैमरस लाइफस्टाइल और शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है और वह एक सफल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की तरह लोकप्रिय हैं। शुभमन और शहनील का रिश्ता भाई-बहन से ज्यादा बेस्ट फ्रेंड्स जैसा है। दोनों अक्सर साथ में विदेश में छुट्टियां मनाते, स्टाइलिश तस्वीरें शेयर करते और एक-दूसरे के पोस्ट पर मजेदार कमेंट करते नजर आते हैं।

तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर: मालती चाहर एक जानी-मानी मॉडल और एक्ट्रेस हैं। आईपीएल के दौरान स्टैंड्स में अपनी दिलकश अदाओं से वे रातों-रात मिस्ट्रि गर्ल के रूप में इंटरनेट सेंसेशन बन गई थीं। मालती ने कुछ फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है, जिससे उनकी पहचान और भी मजबूत हुई है। दीपक और मालती के बीच का बॉन्ड बेहद शरारती और प्यारा है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की टांग खींचते हुए फनी वीडियो पोस्ट करते हैं, जो उनके फैंस को खूब हंसाते हैं और उनके रिश्ते की गर्मजोशी दिखाते हैं।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर: श्रेष्ठा एक पेशेवर डांसर और कोरियोग्राफर हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उनके डांस वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं और प्रसंसको को खूब पसंद आते हैं। श्रेयस और श्रेष्ठा के बीच का रिश्ता बेहद मजेदार और दोस्ताना है। दोनों भाई-बहन अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती करते, प्रैंक करते और इंस्टाग्राम रील्स बनाते देखे जाते हैं, जो उनकी केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाता है।

अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर: सारा अपनी खूबसूरती, आकर्षक व्यक्तित्व और बेहतरीन फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर एक बड़ी स्टार हैं। उनके इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स हैं और वह कई बड़े ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग भी करती हैं।

अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा... कोमल भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। पेशे से डॉक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) कोमल अपनी साधारण लेकिन आकर्षक पर्सनालिटी के लिए जानी जाती हैं। फैंस उन्हें खूब पसंद करते हैं और अक्सर आईपीएल मैचों के दौरान कोमल को सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में अपने भाई को चीयर करते देखा जाता है, जो भाई-बहन के इस प्यारे रिश्ते की मिसाल है। ये पांचों बहनें सिर्फ अपने भाई के नाम से नहीं जानी जातीं, बल्कि इन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और व्यक्तित्व के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त उपस्थिति और अपने-अपने क्षेत्रों में उनकी सफलता यह साबित करती है कि स्टारडम अब केवल खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी अपनी चमक बिखेर रहे हैं। ये बहनें लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बनी हैं, जिन्होंने न केवल अपने भाई के खेल को सपोर्ट किया है, बल्कि खुद भी अपनी राह बनाई है और खूब लोकप्रियता बटोरी है।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची, एजेंसी। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, ÷काम अभी पूरा नहीं हुआ÷ और उसके नीचे ÷10.10ह्य÷ अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया।

अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है।

अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ-साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा।अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

विराट ने युवा मुकुल चौधरी को मैच फिनिशिंग पर दिये टिप्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी को जरुरी सलाह दी है। विराट ने मुकेश को मैच में फिनिशिंग की कला सिखाते हुए कहा है कि केवल छक्के मारना ही सब कुछ नहीं है। असली कौशल कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करना है। उन्होंने कहा कि दबावा के बीच पारी को नियंत्रित करना और अपनी टीम को जीत तक ले जाना सबसे महत्वपूर्ण है। मुकुल ने कहा है कि कोहली ने उन्हें सलाह दी कि सिर्फ छक्के मारना ही किसी बल्लेबाज को महान नहीं बनाता, क्योंकि आजकल कई युवा खिलाड़ी ऐसा आसानी से कर सकते हैं। विराट ने जोर देकर कहा कि असली कला??दबाव में मैच समाप्त करना है, मुश्किल लक्ष्यों का पीछा करते समय शांत रहना, बढ़ते रन रेट को संभालना और विकेट गिरने के बावजूद टीम को जीत की ओर ले जाना ही किसी खिलाड़ी को विशिष्ट बनाता है।

चौधरी ने कहा, जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हमारा मैच देखा था और देखा था कि मैंने मैच को कैसे समाप्त किया। उन्होंने कहा कि छक्के मारना अब कोई बड़ी बात नहीं है। इस पीढ़ी का हर युवा बल्लेबाज छक्का मार सकता है। विराट ने साथ ही कहा, असली बात यह है कि मैच को कैसे समाप्त किया जाए। जब कोई दबाव नहीं होता, तो कोई भी छक्का मार सकता है पर 170 या 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय, जब दूसरे छोर पर विकेट गिर रहे हों और आवश्यक रन रेट लगातार बढ़ रहा हो, तब असली परीक्षा शुरू होती है।कोहली ने इस बल्लेबाज से कहा कि, अगर आप उस दबाव को संभालना, शांत रहना और पारी को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो यही आपको एक बड़ा खिलाड़ी बनाता है। लगातार मैच समाप्त करना एक मुश्किल कौशल है। मुकेश का मानना है कि विराट की इस सलाह से उन्हें खासा लाभ होगा। यह सलाह मुकुल चौधरी के हालिया इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न के प्रदर्शन को देखते हुए और भी प्रासंगिक हो जाती है। अपने पहले ही आईपीएल सत्र में इस युवा ने जिस प्रकार से दबाव में परिपक्वता दिखाते हुए कई प्रभावशाली छोटी पारियां खेली हैं , उससे वह बेहतर बल्लेबाज साबित हुए हैं।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

लखनऊ, एजेंसी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है।

शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

प्लेऑफ के लिए वेंकटेश अय्यर को टीम में बनाए रखें आरसीबी : सहवाग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल प्लेऑफ को लेकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से कहा है कि उसे अंतिम एकादश में वेंकटेश अय्यर बनाये रखना चाहिये। सहवाग के अनुसार फिल साल्ट की संभावित वापसी के बाद भी वेंकटेश को टीम को रखना लाभ दायक रकेगा। साथ ही कहा कि फार्म से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को बाहर रखा जा सकता है। सहवाग का मानना है कि अय्यर के हाल के अच्छे दमदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें बाहर करना सही नहीं है। सहवाग के अनुसार वेंकटेश ने सीमित अवसरों के बाद भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस आईपीएल सीज़न के 14 मैचों में उन्हें केवल चार बार बल्लेबाजी का मौका मिला, और ज्यादातर मौकों पर आरसीबी प्रबंधन ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में मैदान पर उतारा। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक मैच में जब आरसीबी 125 रन पर संघर्ष कर रही थी, ऐसे में इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस क्रिकेटर ने 15 गेंदों में तेजी से 29 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था। इसके अलावा, उन्होंने दो और यादगार पारियां खेली हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ, कप्तान रजत पाटीदार के आउट होने के बाद, उन्हें फिर से कठिन हालातों स्थिति में नंबर चार पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जहां उन्होंने 40 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। चोटिल जैकब बेथेल की जगह पारी शुरु करते हुए भी वेंकटेश ने अच्छा प्रदर्शन किया और 19 गेंदों में 44 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।सहवाग ने कहा कि वेंकटेश शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, जैसा कि उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए करते हुए अपनी सर्वश्रेष्ठ पारियां खेली हैं। आरसीबी के लिए उन्हें अपनी पसंदीदा जगह पर ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन जब रजत पाटीदार चोटिल थे, तो पंजाब के खिलाफ नंबर चार पर आकर उन्होंने मैच जिताने वाली 73 रनों की पारी खेली।

आईपीएल में चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार से खेल की छवि को झटका

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल में यहां लखनऊ सुपरजायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए मैच में एक शर्मनाक वाकया भी देखने में आया है। । मैच के उत्साह के बीच, मैदान पर मौजूद चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार की घटना सामने आई, जिसने सभी स्तब्ध कर गये। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कुछ शरारती लोगों ने अपनी मोबाइल नंबर लिखी पर्चियां चीयरलीडर्स की ओर फेंकीं। शुरुआत में, पेशेवर गरिमा बनाए रखते हुए चीयरलीडर्स ने इन हरकतों को नजरअंदाज किया पर जब हालत खराब हुए तो उन्होंने इसकी जानकारी सुरक्षाकर्मियों और पुलिस को दी। इस पूरी घटना से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, महिला पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया। न सिर्फ भीड़ में शामिल उन लोगों को समझाने की कोशिश की, बल्कि अभद्र व्यवहार करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी। गौरतलब है कि आईपीएल जैसे विश्व स्तरीय और प्रतिष्ठित खेल मंच पर इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से खेल की छवि को धक्का लगाती हैं। ये भारतीय खेल संस्कृति की छवि को भी कमजोर करती है। साथ ही दर्शकों के लिए भी सीख है कि उन्हें खेल के उत्साह में अपनी मर्यादा और जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए। मैदान पर हुई इस अप्रिय घटना के बावजूद, क्रिकेट का खेल अपनी गति से आगे बढ़ता रहा और उसने दर्शकों को एक बेहद रोमांचक मुकाबला पेश किया।

यह मैच पंजाब किंग्स के लिए प्लेऑफ में अपनी उम्मीदों को जीवित रखने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण था, जबकि लखनऊ सुपरजायंट्स अपने घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करना चाहती थी। इस मैच में जीत से पंजाब ने अपनी लगातार छह हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को बनाए रखा।

जिम में डब्ल्यूडब्ल्यू ई रेसलरों की तरह भिड़े रिंकू और सिफर्ट

कोलकाता, एजेंसी। आईपीएल में खिलाड़ी दबाव कम करने के लिए कई तरह के तरीके अपनाते हैं। इसी तर्ज पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी डब्ल्यूडब्ल्यू ई जैसे मुकाबले करते दिखे। केकेआर टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह और विकेटकीपर टिम सिफर्ट जिम में ही डल्यूडब्लयूई रेसलरों की तरह भिड़ गये। इस दौरान रिंकू ने अपने साथी खिलाड़ी को दिग्गज रेसलर ब्रॉक लेसनर की तरह उठाकर पटक दिया। केकेआर द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में, दोनों खिलाड़ी पूरी मस्ती में एक-दूसरे को दबोचते और रेसलिंग करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वे वहां रखी एक बेंच पर गिर पड़े, जिसके बाद टीम के एक सहयोगी स्टाफ को उन्हें अलग करना पड़ा। खिलाड़ियों की यह मजेदार जुगलबंदी और हल्की-फुल्की नोकझोंक प्रशंसकों को भी मजेदार लगी। इससे अंदाजा होता है कि खिलाड़ी कि दबाव वाले मुकाबले से पहले टीम का माहौल किसी प्रकार से सकारात्मक बनाते हैं ।

उप मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा पर जल संरक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम में की सहभागिता

जल संरक्षण अभियान को जन आन्दोलन बनायें, खेमसागर तालाब का होगा जीर्णोद्धार, बनेगा घाट: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गंगा दशहरा प्राचीन काल से जल संरक्षण और जल संवर्धन दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। गंगा दशहरा पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा जनपद अन्तर्गत ग्राम लोही के पवित्र खेमसागर तालाब में आयोजित जल संरक्षण एवं जल जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अभियान को जन आन्दोलन बनाना है। वर्तमान परिदृश्य में तथा आने वाली पीढ़ी को दृष्टिगत रखते हुए पानी बचाना आवश्यक है। श्री शुक्ल ने कहा कि खेमसागर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य कराया जायेगा तथा सुंदर घाट का निर्माण होगा। उन्होंने इस अवसर पर जलपूजन कर गंगा कलश यात्रा में सहभागिता की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान जी के पवित्र स्थल खेमसागर तालाब से इस अभियान का शुभारंभ हो रहा है। जिससे यह अभियान सफल होगा और रीवा जिले के हर गांव व शहर में जल संरक्षण के कार्य होंगे और जिला संपूर्ण प्रदेश में जल गंगा संरक्षण अभियान में अब्बल होगा। श्री शुक्ल ने कहा कि जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व संरक्षण के कार्य में आमजनता अधिक से अधिक भागीदारी निभाये और तालाब में उस स्थान की खुदाई की जाय जहां से पानी की आवक हो। अभी जितनी मेहनत से कार्य होंगे उसके सुखद परिणाम सामने आयेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जमीन से जितना पानी निकालें उससे ज्यादा पानी जमीन में डालें। जल संरक्षण के लिये नदियों के उद्गम स्थल, तालाबों, पंरपरागत स्त्रोतों की साफ-सफाई व जल संवर्धन के कार्यों के साथ वाटर हार्वेटिंग से जल स्तर में सुधार होगा। श्री शुक्ल ने बताया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा केएसओआर में पीएचई के मरम्मत के कार्य सरपंच करायें व नल जल योजनाओं का संचालन व संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के हर घर स्वच्छ पानी पहुंचाने का संकल्प पूरा हो रहा है। घर-घर में मीठा पानी पहुंचेगा और पानी से होने वाली बीमारियों नहीं होगी और अस्पतालों की भीड़ भी कम होगी। श्री शुक्ल ने बताया कि गांव-गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है सभी लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें व जांच करायें। उन्होंने जिले वासियों को गंगा दशहरा की शुभकामना देते हुए सुखमय व स्वस्थ जीवन की कामना की। श्री शुक्ल ने खेमसागर में विराजमान हनुमान जी के दर्शन किये। इससे पूर्व संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक ने बताया कि गंगा दशहरा के अवसर पर जल बचाने की मुहिम में जन सहयोग आवश्यक है। ग्राम व शहरवासी इसमें बढ़-चढ़ कर

हिस्साले रहे हैं रीवा शहर में उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से पूर्व में ही कई तालाबों का जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण हो चुका है। बीहर रिवर फ्रंट के माध्यम से नदी संरक्षण का कार्य उदाहरण है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच नीलेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, राजेश यादव, भूपेन्द्र सिंह सिंह, राजगोपाल मिश्रचारी, सीईओ जनपद पूनम दुबे, अमित अवस्थी, रश्मी गौतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जिला संयोजक जन अभियान परिषद जागेश्वर ताम्रकार ने किया।

जिले में गंगा दशहरा पर जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य लगातार जारी हैं। गंगा दशहरा के अवसर पर जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर जल संरक्षण और संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नदियों के उद्गम स्थल, तालाबों , परंपरागत जल स्त्रोतों की साफ सफाई और जल संवर्धन के कार्य किये गये। इसके साथ ही हैण्डपंपों तथा नल जल योजना के जल स्त्रोतों में रिचार्ज किट बनाने एवं कुंओं की साफ सफाई के भी कार्य कराये गये।

जिले के जनपद पंचायत रायपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत इटौरा के भेडौरा नदी में साफ सफाई का कार्य किया गया। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की उपस्थिति में जल स्त्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्रा निकाली गयी। इसी क्रम में त्योंथर जनपद पंचायत के डीह ग्राम में खेत तालाब निर्माण का कार्य संपन्न हुआ। जवा विकासखण्ड के ग्राम बडाछ में जनभागीदारी से जल संवर्धन के कार्य प्रारंभ किये गये। जबकि ग्राम अतरैला के पूंछी तालाब में श्रमदान एवं साफ सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्रामवासियों ने श्रमदान करते हुए तालाब की साफ सफाई की और जल संरक्षण एवं पर्यावरण का संदेश दिया। गंगा दशहरा पर गांवों, विकासखण्ड मुख्यालयों तथा जिला स्तर पर जल गंगा कलश यात्रा, दीपदान, जल संवाद, जल जागरूकता रैली आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में उप मुख्यमंत्री जी के प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय, सीईओ जनपद रायपुर प्रदीप दुबे, योगेन्द्र शुक्ला, डॉ. जीएन श्रीवास्तव, सीईओ जवा सुलभ सिंह कुशाम, एपीओ नागेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं जन अभियान परिसर के सदस्य उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू टिकैत ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ब्लॉक इकाई त्योंथर के नेतृत्व में तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय परिसर में किसानों की पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में क्षेत्र के कई गांवों से पहुंचे किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया तथा एसडीएम त्योंथर को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की।

किसानों ने बताया कि राजस्व नक्शा उपलब्ध न होने से सीमांकन एवं नक्शा तरमीम के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं क्षेत्र में संचालित जल परियोजना अधूरी पड़ी है। पाइपलाइन बिछाने के लिए जगह-जगह सड़कें खोद दी गई हैं, लेकिन गड्ढों में कंक्रीट न भरने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। किसानों ने बाणसागर परियोजना की अधूरी नहरों को शीघ्र पूरा कराने की मांग भी उठाई।

ज्ञापन में सिंचाई परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा न मिलने वाले किसानों को तत्काल भुगतान या बदले में जमीन देने की मांग की गई। इसके साथ ही बिजली बिलों में सुधार, वर्षा पूर्व विद्युत लाइन मेंटेनेंस, गौशालाओं के सुचारु संचालन, खाद वितरण सोसायटी के माध्यम से कराने और पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई।

किसानों ने परासिया ग्राम पंचायत में अतिक्रमण हटाने, लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण तथा बंद पड़ी पेयजल योजनाओं को पुनः चालू कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

अमहिया पुलिस ने लौटाई मां की मुस्कान, नोएडा से सकुशल बरामद हुई नाबालिग बालिका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत अमहिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती रितु उपाध्याय के निर्देशन में थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल और उनकी टीम ने अपहृत नाबालिग बालिका को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार फरियादिया ने थाना अमहिया पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी बिना बताए घर से चली गई है। बताया गया कि बालिका को सुभाष चौक सिरमौर चौराहा क्षेत्र से ऑटो में बैठकर जाते देखा गया था। मामले में थाना अमहिया में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं सतत प्रयासों के आधार पर बालिका की तलाश करते हुए उसे ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से सुरक्षित दस्तयाब किया। बालिका के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

वन अधिकार प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर संजय कुमार जैन ने वनाधिकार से जुड़े प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम से संबंधित सभी प्रकरणों का समयबद्ध परीक्षण करते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि खण्ड स्तरीय समितियाँ (एसडीएलसी) अपने स्तर पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी प्रकरण जिला स्तरीय समिति को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

सोनौरा ग्राम में 10 दिवसीय समर कैंप का सफल समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोनौरा ग्राम में अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन रविवार को उत्साहपूर्वक किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। समर कैंप के दौरान बच्चों को बीजों की पहचान, सीड्स बॉल निर्माण, आर्ट एंड क्राफ्ट, खेल गतिविधियों एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। साथ ही बच्चों को 'गुड टच एवं बैड टच' के माध्यम से बाल सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 'सेव वाटर' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन कार्यक्रम में ग्राम मुखिया विनीता पटेल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया जी एवं सुमित सिंह सहित ग्राम के अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को उपहार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने इस प्रकार के शिविर को बच्चों के विकास एवं जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए आयोजकों की सराहना की।

ओबीसी राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी का जोर शोर से प्रचार जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान निर्माण के संबंध में आगामी 30 एवं 31 मई को रीवा के सरदार पटेल संस्थान में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी के लिए जोर शोर से प्रचार प्रसार जारी है। राष्ट्रीय अधिवेशन कोर कमेटी के सदस्य संतकुमार पटेल पुष्पेंद्र सिंह एडवोकेट संतोष पटेल राजेश पटेल ने रीवा जिले के ग्राम जोगिनहाई कांटी मनगवां व्यवहरा फरहदा कनकेशरा रजिगंवा खैरा खुटहा महुआ उमरी शिलपरी सुकुलगवा बराती डिघवार तमरी आदि गांवों का दौड़ाकर ओबीसी समाज को आमंत्रण दिया वहीं कोर कमेटी के सदस्य डॉ रजनीश पटेल डॉक्टर विमला सिंह पटेल एडवोकेट रामलला पटेल सविता पटेल ने ग्राम गुढ़वा रमपुरवा संसारपुर रउरा आदि गांवों का दौड़ाकर जनमानस से राष्ट्रीय अधिवेशन को सफल बनाने की अपील की है। अधिवेशन में देश भर से ओबीसी समाज की तमाम हस्तियां शिरकत कर रही हैं।

कर्मचारियों की मनमानी, समय पर नहीं पहुंच रहे कार्यालय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर कृषि उपज मंडी चाकघाट में पदस्थ कर्मचारियों पर मनमानी के आरोप लगे है। बताया गया कि कई कर्मचारी तहसील मुख्यालय से बाहर निवास करते हैं। जबकी कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा समय पर कार्यालय पहुंचने और मुख्यालय में रहने को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। कई कर्मचारी नियमों के विपरीत गृह ग्राम में ही सेवा दे रहे हैं इसके बावजूद भी कार्यालय में नजर नहीं आते है। बताया गया कि ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज कराई जा रही है लेकिन इसमें भी गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। लेट-लपेट सुबह उपस्थिति के पश्चात थोड़ा बहुत कार्यालय का काम करते हुए छुट्टी का इंतजार किया जाता है। उक्त समय पर कार्यालय में गपशप, बाजार, घर, इधर-उधर घूमना इत्यादि शामिल है। मंडी के व्यवस्थाओं को लेकर कर्मचारी और अधिकारी दोनों ही पर गंभीर लापरवाही के आरोप है।

क्षेत्र के अन्य कार्यालयों का भी हाल-बेहाः कर्मचारियों की मनमौजी और अव्यवस्था इसी प्रकार से नगर परिषद चाकघाट, पशु चिकित्सालय चाकघाट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाकघाट, जनपद के विभिन्न कार्यालयों में भी बना हुआ है। जिस पर रीवा कलेक्टर से औचक निरीक्षण एवं कार्यवाही करने मांग किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन में पाँच जून तक 75 वेटेज स्कोर प्राप्त करें: अपर कलेक्टर

जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें: अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण करके पाँच जून तक 75 वेटेज अंक प्राप्त करें। इसी तरह क्रमशः 10 जून तक 80 प्रतिशत, 15 जून तक 85 प्रतिशत तथा 20 जून तक 90 प्रतिशत वेटेज अंक प्राप्त करें, जिससे जिला रैंकिंग में टॉप फाइव में शामिल रहे। प्रकरणों के निराकरण के लिए 20 जून का इंतजार न करें। जो विभाग डी और सी श्रेणी में हैं उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करें। मई महीने में सभी अधिकारियों ने लगन के साथ प्रयास करके सीएम हेल्पलाइन में जिले को टॉप टेन में पहुंचाया। इसी तरह के प्रयासों की निरंतर आवश्यकता है। पीएचई, राजस्व, ग्रामीण विकास, खाद्य तथा स्वास्थ्य विभाग आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सभी तहसीलदार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सीमांकन, खसरा में सुधार, बटवारा तथा नामांतरण के प्रकरणों का निराकरण कराएं।

बैठक में अपर कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई में 1100 से अधिक आवेदन पत्र लंबित हैं। अधिकारी इन पर तत्परता से कार्यवाही करके सात दिवस में प्रतिवेदन पोर्टल में दर्ज कराएं। जनसुनवाई में पुलिस, ऊर्जा, राजस्व, पीएचई तथा स्वास्थ्य विभाग की गई शिकायतें हैं। कार्यपालन यंत्री पीएचई पेयजल से जुड़ी शिकायतों का दो दिन में निराकरण कराएं। हैण्डपंपों तथा नलजल योजनाओं के सुधार की रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें शामिल विभागों के अधिकारी जल संरक्षण और संवर्धन की गतिविधियों की जानकारी अभियान के पोर्टल पर अद्यतन कराएं। जानकारी ऑनलाईन दर्ज न करने से जिले की रैंकिंग प्रभावित हो रही है।

अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही फाइलें और पत्र भेजें। ई आफिस प्रणाली के संबंध में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से संपर्क करके कठिनाई दूर करें। ई आफिस में हमें जिले को प्रदेश में टॉप फाइव जिलों में शामिल कराना है। गेंहू उपार्जन लगभग पूरा हो रहा है। उपार्जित गेंहू को तत्काल परिवहन कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। किसानों को गेंहू की राशि के भुगतान पर विशेष ध्यान दें। अपर कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था, खाद-बीज के भण्डारण, खाद्य पदार्थ के नमूनों की जाँच और मिलावट करने वालों पर कार्रवाई तथा अवैध उत्खनन के संबंध में प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीओ वन हितेश खण्डेलवाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगरौली के व्यवस्थित और समग्र विकास की कार्ययोजना बनाएं: कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सिंगरौली शहर तथा सिंगरौली जिले के व्यवस्थित और समग्र विकास की कार्ययोजना बनाएं। सिंगरौली जिले में संसाधनों की कमी नहीं है। खनिज साधन मद, निजी कंपनियों के सीएसआर मद तथा विभागीय मद में प्राप्त राशियों का उपयोग सुविचारित विकास कार्यों में करें। कोयले के प्रचुर भण्डार के दोहन के लिए कई बस्तियों का विस्थापन संभावित है। इनके नागरिकों को एक ही स्थान पर छोटा सा विकसित नगर बनाकर पुनर्स्थापित करना सबसे बेहतर होगा। इस नगर में सड़क, पुल, पार्क, स्कूल, अस्पताल, खेल मैदान, हाट बाजार तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कार्ययोजना में शामिल करें। कार्ययोजना में पेयजल व्यवस्था, नगर की साफ-सफाई, नवीन उद्यमों की स्थापना तथा अधोसंरचना विकास को शामिल करें।

कमिश्नर ने कहा कि 27 मई को सभी संभागीय अधिकारी सिंगरौली जिला मुख्यालय के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करके अधोसंरचना विकास के लिए स्थलों का चयन करेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में सिंगरौली में आयोजित बैठक में कार्ययोजना में प्रस्तावित बिन्दुओं पर विचार मंथन किया जाएगा। कार्ययोजना में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आमजनों के सुझाव भी शामिल किए जाएंगे। महाप्रबंधक एमपीआरडीसी तथा एनएचआई सिंगरौली जिले से गुजरने वाली प्रमुख सड़कों सरई, बैढ़न तथा देवसर में बाईपास निर्माण एवं कोयला परिवहन के लिए सुरक्षित मार्ग बनाने के संबंध में निर्माण कार्य प्रस्तावित करें। सीधी-सिंगरौली फोरलेन में पुनः स्वीकृत निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं। सिंगरौली शहर की सड़कों के सुधार, साफ-सफाई तथा सौन्दर्यीकरण के लिए संयुक्त संचालक नगरीय विकास कार्ययोजना बनाएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री पीआईयू, मुख्य यंत्री पीडब्ल्यूडी तथा एमपीआरडीसी के अधिकारी आज ही रीवा बाईपास मार्ग के पुल के सुधार कार्य का निरीक्षण करके रिपोर्ट दें। इसे परिवहन के लिए शीघ्र उपलब्ध कराएं। भारी वाहनों के शहर से गुजरने से शहर का ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। बैठक में संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी अंशुल करोड़िया ने बताया कि पुल के मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है। केवल तीन स्पॉन में बेयरिंग लगाने का कार्य शेष है। इसे दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। पुल में लोड टेस्ट करने के बाद इसे 31 मई तक आवागमन के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। बैठक में मुख्य अभियंता पीआईयू एससी वर्मा, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी केके लच्छे, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास शशि श्याम उइके, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. एसबी अवधिया, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।